वर्ष 24, अंक 145, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज गुरूवार 4 दिसंबर 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

लोकसभा में सुचारू रही प्रश्नकाल की कार्यवाही, राज्यसभा में 'लोकभवन' पर हंगामा

नई दिल्ली

संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है। शीतकालीन सत्र का पहला दो दिन काफी हंगामेदार रहा। हालांकि, आज लोकसभा और राज्यसभा में सामान्य कार्यवाही देखने को मिली। दोनों ही सदनों में प्रश्नकाल के कार्यवाही सुचारू रूप से संपन्न हुई। इससे पहले दो दिन तक मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही बाधित रही। इसके अलावा कई गंभीर मसलों पर सांसदों ने अपनी बात रखी है। पिता बनने की खुशी में राघव चड्ढा ने संसद परिसर में लोगों का मुंह मीठा कराया। राज्यसभा में विपक्ष ने मणिपुर में विधानसभा चुनाव यथाशीघ्र कराने की मांग की है। विपक्षी सांसदों ने यह भी कहा कि तंबाकू उत्पादों पर कर बढ़ाने से खपत कम नहीं होगी, और उपाय जरूरी है। जल प्रदूषण कानून को मणिपुर में लागू करने के लिए राज्यसभा ने संकल्प को मंजूरी दी। लोकसभा ने ह्यकेंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025ह्ल को पारित किया।

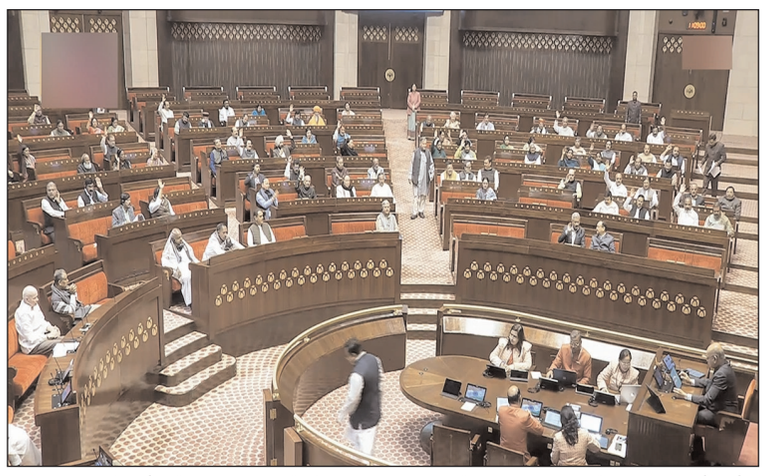

लोकसभा की कार्यवाही

- केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया कि आगामी जनगणना 2027 का कार्य दो चरणों में होगा, जिसकी शुरूआत 2026 में मकान सूचीकरण और आवास संबंधी आँकड़े एकत्र करने से होगी। पहला चरण अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच 30 दिनों की अवधि में, संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा तय समय-सीमा के आधार पर पूरा किया जाएगा। जनसंख्या गणना से जुड़ा दूसरा चरण फरवरी 2027 में निर्धारित है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी के एक प्रश्न के उत्तर में, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पुनः पुष्टि की कि 1 मार्च, 2027 को रात्रि 12:00 बजे पूरे देश में जनगणना के लिए संदर्भ तिथि मानी जाएगी। हालाँकि, लद्दाख और जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के बर्फीले क्षेत्रों के लिए, जनसंख्या गणना सितंबर 2026 में ही की जाएगी और 1 अक्टूबर, 2026 को संदर्भ तिथि माना जाएगा।

- संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सोच के मुताबिक, देश में जल्द ही सभी क्षेत्रों में 4जी कनेक्टिविटी पहुंचाने का लक्ष्य है और जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों समेत कई जगहों पर अगले साल तक 12 हजार 4जी टॉवर लगाए जाएंगे।

- लोकसभा में कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने गायक जुबिन गर्ग की हत्या का मुद्दा बुधवार को लोकसभा में उठाया और केंद्र सरकार से आग्रह किया कि उन्हें सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न (मरणोपरांत) से सम्मानित किया जाए।

- फर्जी खबरों को लोकतंत्र के लिए खतरा बताते हुए केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि सरकार फर्जी खबरों और एआई जनित डीपफेक वीडियो पर रोकथाम के लिए और इस बाबत संस्थागत प्रणाली बनाने के लिए नए नियम बना रही है। वैष्णव ने लोकसभा में राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए कह कि फर्जी खबरों, सोशल मीडिया के दुरुपयोग और डीप फेक पर सख्त कार्रवाई और कड़े नियमों की जरूरत है। फर्जी खबरें लोकतंत्र के लिए खतरा हैं और यह गंभीर विषय है।

- वित्त मंत्री निर्मला सीतामरण ने बुधवार को कहा कि तंबाकू और इसके उत्पादों पर उत्पाद शुल्क लगाने से जीएसटी क्षतिपूर्ति कर समाप्त करने के बाद भी कर का बोझ समान रहेगा। लोकसभा में केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन) विधेयक, 2025 को चर्चा और पारित कराने के लिए पेश करते हुए सीतारमण ने कहा कि चूंकि जीएसटी कानून में अधिकतम कर दर 40 प्रतिशत तय है, इसलिए यदि जीएसटी उपकर हटा दिया जाता है और उत्पाद शुल्क नहीं लगाया जाता है तो तंबाकू पर कुल कर बोझ वर्तमान स्तर से कम हो जाएगा।

राज्यसभा की कार्यवाही

- देशभर के राजभवनों का नाम ह्यलोक भवनह्ल करने संबंधी गृह मंत्रालय के 25 नवम्बर के निर्देश का मुद्दा राज्यसभा में बुधवार को शून्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सदस्य डोला सेन द्वारा उठाए जाने के बाद सदन में तीखी नोकझोंक हुई। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए बांग्ला में डोला सेन ने कहा, ह्यह्यसबसे पहले हम यह कहना चाहते हैं कि न तो संसद, विधानसभा और न ही मंत्रिमंडल को इसकी

क्या है भारत-रूस का Relos समझौता, जिससे शुरू होगा दोस्ती का नया दौर

नई दिल्ली

रूस के राष्ट्रपति व्लादमीर पुतिन 4 दिसंबर को भारत आ रहे हैं। माना जा रहा है कि वो जंगी हथियारों का सौदा तोहफे में ला रहे हैं। पूरी दुनिया को पता है कि रूस भारत का सबसे मजबूत सैन्य साझेदार है। आज भी रूस के कई जंगबाज भारत की सुरक्षा में मुस्तैद है। सुखोई मिग जैसे फाइटर जेट्स रूस ने ही हमें दिए हैं। तो वहीं दुनिया का सबसे मजबूत सुरक्षा चक्र र400 डिफेंस सिस्टम भी रूस ने ही भारत को दिया है। दुनिया इस डिफेंस सिस्टम के दमदार परफॉर्मेंस को ऑपरेशन सिंदूर के दौर में परख चुकी है। यह

वही डिफेंस सिस्टम है जिसने पाकिस्तान के सारे हथियारों को कबाड़ बनाके रख दिया था। बहरहाल पुतिन के भारत दौरे से बड़ी उम्मीदें हैं।

हिंदुस्तान की बढ़ती ताकत से चीन और पाकिस्तान घबराए हुए हैं। भारत के जंगी दमखम से दुश्मनों के चेहरे पर शिकन दिख रहा है। इसकी वजह है वो हथियार जिनकी

यूपी की जेलों की व्यवस्था में होगा बड़ा बदलाव

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष उत्तर प्रदेश जेल मैनुअल (प्रथम संशोधन), 2025 को मंजूरी देने का प्रस्ताव रखने वाली है, जिसे भारतीय जेलों के अंदर जाति-आधारित भेदभाव के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक आदेश के अनुपालन में तैयार किया गया है। सरकार जेल मैनुअल से अंग्रेजों के समय से चले आ रहे उन प्रावधानों को खत्म करेगी जो जातीय विभेद पर आधारित है।

'न योजना, न चर्चा, न संवाद': राहुल गांधी का आरोप

नई दिल्ली

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जाति जनगणना के संबंध में संसद में कोई रूपरेखा या चर्चा न होने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने बहुजनों के साथ विश्वासघात किया है। राहुल गांधी ने संसद में उनसे पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर साझा किया और आरोप लगाया कि केंद्र जाति जनगणना कराने की कोई इच्छा नहीं रखता है।

गांधी ने पर पोस्ट किया कि संसद में मैंने सरकार से जाति जनगणना के बारे में एक प्रश्न पूछा - उनका जवाब चौंकाने वाला है। कोई ठोस रूपरेखा नहीं, कोई समयबद्ध योजना नहीं, संसद में कोई चर्चा नहीं और जनता से कोई संवाद नहीं। अन्य राज्यों में सफल जाति जनगणना की रणनीतियों से सीखने की भी कोई इच्छा नहीं है। जाति जनगणना पर मोदी सरकार का यह रुख देश के बहुजनों के साथ विश्वासघात है।

राहुल गांधी ने "दशवार्षिक जनगणना की तैयारी के लिए प्रमुख प्रक्रियात्मक चरणों का विवरण और संभावित समय-सीमा, जिसमें प्रश्न तैयार करना और समय-सारिणी शामिल है, के बारे में पूछा है; क्या सरकार जनगणना के प्रश्नों का मसौदा प्रकाशित करने और इन प्रश्नों पर जनता या जनप्रतिनिधियों से सुझाव लेने का प्रस्ताव रखती है।

प्रियंका गांधी का मोदी सरकार पर तीखा प्रहार, कहा - मजदूर विरोधी नीतियां बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बुधवार को चार नए श्रम संहिताओं को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना की और आरोप लगाया कि सरकार ने श्रमिकों के अधिकार छीन लिए हैं और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए हैं। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने आज श्रम संहिताओं के खिलाफ संसद के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। प्रियंका गांधी ने एक पोस्ट में कहा कि श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है।

प्रियंका गांधी ने कहा कि श्रम कानूनों को सरल बनाने के नाम पर केंद्र सरकार 4 नए श्रम संहिताएँ लेकर आई है। इस बहाने सरकार ने श्रमिकों के सभी अधिकार छीन लिए हैं। श्रमिकों को पहले दी गई सुरक्षा छीन ली गई है और उनके शोषण के नए रास्ते खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन कानूनों के जरिए नरेंद्र मोदी जी की पूंजीवाद समर्थक और मजदूर विरोधी मानसिकता एक बार फिर सामने आ गई है। देश इन कानूनों को स्वीकार नहीं करता।

हार्दिक पांड्या की वापसी, सूर्यकुमार यादव की कप्तानी

नई दिल्ली

बीसीसीआई की सीनियर पुरुष चयन समिति ने 9 दिसंबर से कटक में शुरू हो रही दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी पांच मैचों की टी20आई श्रृंखला के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे, जबकि ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या, जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20आई श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे, टीम में वापसी कर चुके हैं। पांड्या सितंबर में एशिया कप 2025 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के सुपर फोर मुकाबले के बाद अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20आई

खेलेंगे। पांड्या चोट के कारण पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के फाइनल और ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे से चूक गए थे। हाल ही में, भारतीय ऑलराउंडर पांड्या ने मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में बड़ौदा के लिए खेलते हुए अपनी फिटनेस साबित की। रिंकू सिंह, जो ऑस्ट्रेलिया के टी20आई के लिए टीम का हिस्सा थे, को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी टी20आई श्रृंखला के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है। कोलकाता में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लगने वाले शुभमन गिल को चोट के कारण दूसरे टेस्ट और तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर रहने के बाद टीम में शामिल किया गया है।हालांकि, गिल को घरेलू मैदान पर प्रोटियाज के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में भाग लेने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) से अपनी फिटनेस मंजूरी लेनी होगी।

MCD उपचुनाव के नतीजों पर सीएम रेखा गुप्ता का बयान, यह कड़ी मेहनत का मजबूत प्रमाण है

नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा 12 में से सात सीटें जीतने पर राष्ट्रीय राजधानी की जनता की सराहना की है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने भगवा पार्टी के प्रदर्शन का श्रेय भाजपा कार्यकताओं को दिया और विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। मुख्यमंत्री गुप्ता ने पर पोस्ट किया कि दिल्ली नगर निगम उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी को अपना अमूल्य

आशीर्वाद देने के लिए दिल्लीवासियों का हार्दिक धन्यवाद। यह जीत हमारे मेहनती कार्यकताओं और संगठन की अथक मेहनत, समर्पण और सामूहिक शक्ति का एक सशक्त प्रमाण है। रेखा गुप्ता ने आगे कहा कि उपचुनाव में विजयी सभी भाजपा उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई। हमारी सरकार दिल्ली के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और निरंतर काम कर रही है। हालाँकि, इस उपचुनाव में भाजपा को दो सीटों का नुकसान हुआ है, क्योंकि पिछले चुनाव में उसने इन 12 सीटों में से नौ पर जीत हासिल की थी। आम आदमी पार्टी ने तीन सीटें जीतीं, जबकि कांग्रेस ने भी एक सीट जीतकर अपना खाता खोला। ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) ने भी एक सीट जीती।

NIA प्रमुख सदानंद दाते को महाराष्ट्र DGP बनाने की तैयारी तेज

मुंबई हमले के दौरान लगी थी गोली

मुंबई

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सदानंद दाते महाराष्ट्र के नए पुलिस महानिदेशक का पदभार ग्रहण करने वाले हैं। जानकारी के अनुसार, उनका कार्यकाल दिसंबर 2026 तक रहेगा। इस नियुक्ति के साथ, दाते अगले एक वर्ष के लिए राज्य पुलिस बल की कमान संभालेंगे। दाते 1990 बैच के महाराष्ट्र कैडर के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी हैं। वह वर्तमान DGP रश्मि शुक्ला का स्थान लेंगे, जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त होने वाली हैं। दाते वर्तमान में राष्ट्रीय जाँच

एजेंसी के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। पिछले साल 27 मार्च को, उन्हें ठक्अ का प्रमुख नियुक्त किया गया था, जो मुंबई में तीन दिवसीय आतंकवादी हमले के बाद गठित की गई एक विशेष एजेंसी है।

सदानंद दाते कौन हैं?

महाराष्ट्र कैडर के 1990 बैच के आईपीएस अधिकारी दाते, जिन्होंने कभी अपने परिवार का आर्थिक भरण-पोषण करने के लिए पुणे में अखबार बेचा था, को 26/11 के हमले में उनकी भूमिका के लिए राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित किया गया था। यह शायद उचित ही है कि इस बहादुर और सम्मानित अधिकारी को उस एजेंसी के महानिदेशक का पदभार सौंपा जाए जिसे विशेष रूप से आतंकवादी मामलों की जाँच का काम सौंपा गया है। 26 नवंबर, 2008 की उस भयावह रात को, दाते, जो उस समय मध्य क्षेत्र के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त थे, को छत्रपति शिवाजी टर्मिनस के पास आतंकवादियों द्वारा अंधाधुंध गोलीबारी की सूचना मिली। कुछ ही देर पहले, 10 आतंकवादी एक नाव में सवार होकर मुंबई में घुस आए थे और पूरे मुंबई में फैल गए थे।

जब तक दाते और उनकी टीम सीएसटी पहुँची, तब तक लश्कर-ए-तैयबा के सदस्य कसाब और इस्माइल वहाँ से निकलकर पास के कामा अस्पताल की छत पर पहुँच गए थे। टीम ने उनका पीछा किया।

कान्हा बंदरगाह में आत्मनिर्भरता का प्रतीक, सोनोवाल ने लॉन्च किया पहला इलेक्ट्रिक ग्रीन टग

नई दिल्ली

भारत के समुद्री क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण में, केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने ग्रीन टग ट्रांज़िशन प्रोग्राम के तहत दीनदयाल बंदरगाह प्राधिकरण, कांडला के लिए बनाए जा रहे भारत के पहले ऑल-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग के स्टील कटिंग समारोह को वर्चुअली हरी झंडी दिखाई। मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड" की भावना को बढ़ावा देते हुए, डीपीए का ऑल-इलेक्ट्रिक ग्रीन टग 60 टन की बोलार्ड पुल क्षमता से लैस होगा, जो शांत संचालन, शून्य कार्बन उत्सर्जन और अधिकतम दक्षता सुनिश्चित करेगा। यह अगली पीढ़ी का टग स्थायी समुद्री संचालन में नए मानक स्थापित करने के लिए तैयार है। इस अवसर पर बोलते हुए, केंद्रीय मंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि भारत के पहले ग्रीन टग की निर्माण प्रक्रिया आज शुरू हो गई है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारतीय समुद्री क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है क्योंकि राष्ट्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेट-जीरो विजन की ओर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने इस बात पर प्रकाश डाला कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत सतत विकास और स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

योगीराज में घुसपैठियों की उल्टी गिनती शुरू

उत्तर प्रदेश में रोहिंग्या, बांग्लादेशी खोजे जाएंगे, होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य भर में कथित रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई शुरू की है और राज्य के हर संभाग में हिरासत केंद्र स्थापित करने के आदेश जारी किए गए हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 शहरी स्थानीय निकायों को अपने अधिकार क्षेत्र में अवैध प्रवासियों की विस्तृत सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। ये सूचियाँ आगे की जाँच के लिए संबंधित आयुक्तों और महानिरीक्षकों को सौंपी जाएँगी।

मुख्यमंत्री ने सभी 18 संभागों के संभागीय आयुक्तों और 18 रेंजों के पुलिस महानिरीक्षकों को प्रत्येक संभाग में एक निरोध केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया है ताकि अवैध प्रवासियों को उनके निर्वासन तक रखा जा सके। यह निर्देश कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सभी जिलाधिकारियों (डीएम) को घुसपैठियों और अवैध प्रवासियों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश जारी किए थे। इससे पहले, जिलाधिकारियों को जिलों में अस्थायी निरोध केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए गए थे।

आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को रोहिंग्या और बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान के लिए सत्यापन अभियान जारी रखने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि संबंधित नगर निगमों से

सूचियाँ प्राप्त होते ही, आयुक्तों और पुलिस महानिरीक्षकों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि उनके संभाग या क्षेत्र में सभी अवैध प्रवासियों का पता लगाया जाए, उनका सत्यापन किया जाए और उचित औपचारिकताओं के अनुसार उन्हें निर्वासित करने से पहले हिरासत केंद्रों में रखा जाए।

एक सरकारी प्रवक्ता ने पुष्टि की कि 22 नवंबर को मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद से ही ज़िलों में रह रहे/रोजगार कर रहे अवैध प्रवासियों की पहचान और पता लगाने के लिए ज़िले के डीएम और एसपी अभियान चला रहे हैं। 23 नवंबर को जारी एक बयान में, सरकार ने कहा था कि नेपाल सीमा और प्रमुख शहरी केंद्रों पर कार्रवाई में तेजी आई है। बयान में यह भी कहा गया था कि केंद्र और राज्य सरकारें अवैध विदेशी नागरिकों की पहचान के प्रयासों में तेजी ला रही हैं।

सचिवों ने ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली के विरोध में बीडीओ मांडा को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

अखंड भारत संदेश

मांडा। उत्तर प्रदेश में ग्राम पंचायतों में कार्यरत क्षेत्रीय सचिवों (GPA/GVA) ने ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली के विरोध में बुधवार को मांडा बीडीओ अनीस अहमद को पांच सूत्रीय ज्ञापन भी सौंपा। उत्तर प्रदेश शासन ने 3 नवंबर 2025 को एक शासनादेश जारी कर ग्राम पंचायतों में कार्यरत क्षेत्रीय सचिवों के लिए ऑनलाइन उपस्थिति प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। डीपीआरओ आगरा द्वारा यूपी पीआरडी पोर्टल पर फेशियल रिकॉग्निशन बेस्ड अटेंडेंस सिस्टम (FRS) और जिओ-फेंस्ड AI-ML अटेंडेंस प्लेटफॉर्म से संबंधित पीपीटी भी जारी की गई है।

सचिवों का आरोप है कि निदेशक पंचायतीराज या आयुक्त ग्राम्य विकास द्वारा अभी तक कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए हैं। इसके बावजूद, प्रदेश के कुछ विकास खंडीय और जनपदीय अधिकारियों ने अपने अधीनस्थों पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने का दबाव बनाना शुरू कर दिया है, जबकि उन्हें आवश्यक संसाधन उपलब्ध नहीं कराए गए ' इस क्रम में, सचिवों ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए क्रमिक और शांतिपूर्ण आंदोलन की घोषणा की है। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा संचालित राष्ट्रीय महत्व के कार्यक्रम स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की अवधि 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह आंदोलन किया जा रहा है।

आंदोलन के तहत, 15 दिसंबर 2025 को प्रदेश के सभी सचिव अपनी क्लस्टर की समस्त ग्राम पंचायतों के डोंगल अपने संबंधित विकासखंड पर एकत्रित होकर पूर्वाह्न 11 बजे सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) कार्यालय में जमा करेंगे। यह विरोध ई-ग्राम स्वराज के जटिल गेटवे सिस्टम की भुगतान प्रणाली के खिलाफ है, जिसके लिए वे एक एकीकृत मोबाइल ऐप/ वेबसाइट/ पोर्टल के निर्माण की मांग कर' मांडा बीडीओ अनीस अहमद ने ब्लॉक मुख्यालय पर तैनात सचिवों द्वारा ज्ञापन के दौरान उन्हीने बताया कि जब तक एस आई आर का कार्य चल रहा है तब तक कोई ज्ञापन मान्य नहीं होगा। यदि रक्फ़ में लापरवाही पाए जाने पर चुनाव अधिनियम की कार्रवाई होना सुनिश्चित है और कुछ सचिवों का फोन ही नहीं उठाते उक्त बातें कही।

देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती मनाई गई

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति और संविधान सभा के अध्यक्ष भारत रत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती पर बुधवार को करछना में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने डॉ. प्रसाद के व्यक्तित्व, संघर्ष और राष्ट्रनिर्माण में उनकी अमूल्य भूमिका को स्मरण करते हुए कहा कि वे भारतीय इतिहास के सबसे सरल, त्यागी और सिद्धांतनिष्ठ नेताओं में से एक थे।

वक्ताओं ने बताया कि बिहार की पवित्र धरती से उठकर डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने स्वतंत्रता आंदोलन में अग्रिम पंक्ति में नेतृत्व किया। सत्य, स्वाभिमान और संयम उनके व्यक्तित्व की पहचान थी। संविधान सभा के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने देश की लोकतांत्रिक संरचना को मजबूत आधार प्रदान किया और स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति के रूप में आदर्श नेतृत्व का परिचय दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि उनका जीवन नई पीढ़ी को राष्ट्रहित, कर्तव्यपरायणता और सत्यनिष्ठा का संदेश देता है। उनकी सादगी और दूरदर्शिता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर अंगद सिंह पटेल, राम लखन विश्वकर्मा, दिनेश सिंह पटेल, मंजय श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठजन एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

सांसद फूलपुर ने सदन में टीईटी अनिवार्यता का उठाया मुद्दा, शिक्षकों में हर्ष का माहौल

अखंड भारत संदेश

सहसों। शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता के मुद्दे को फूलपुर के सांसद प्रवीण पटेल द्वारा संसद में मजबूती से उठाने पर क्षेत्र के शिक्षक समुदाय ने हर्ष व्यक्त करते हुए सांसद को बधाई दी है। शिक्षक नेता दिनेश चंद्र मिश्रा ने हाल ही में सांसद प्रवीण पटेल को ज्ञापन सौंपकर टीईटी अनिवार्यता पर पुनर्विचार करने की मांग की थी। उन्होंने बताया कि शिक्षक लंबे समय से इस समस्या के समाधान की प्रतीक्षा कर रहे थे और अब यह मुद्दा सदन में उठने से उन्हें बड़ी उम्मीद जगी है।जूनियर शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष संतोष जायसवाल ने कहा कि सांसद प्रवीण पटेल ने शिक्षकों की भावनाओं को समझते हुए उनका मुद्दा सदन में सरकार के समक्ष रखा है। उन्हें विश्वास है कि सरकार इस संबंध में सकारात्मक कदम उठाते हुए शिक्षकों के हित में उपयुक्त कानून बना सकती है।शिक्षक नेताओं का कहना है कि यह मामला केवल उनके भविष्य से ही नहीं बल्कि उनके परिवारों के भरणझपोषण से भी जुड़ा है। इसलिए सरकार से अपेक्षा है कि वह गंभीरता से विचार करते हुए कोई सार्थक समाधान निकालेगी। सांसद द्वारा सदन में यह महत्वपूर्ण मुद्दा उठाए जाने पर पूरे क्षेत्र के शिक्षकों में हर्ष का माहौल है और दिल से सांसद को धन्यवाद दिया है। इस अवसर पर शिक्षक डॉक्टर कृष्ण शंकर मिश्र, राजकुमार पुष्कर, रानी देवी गुप्ता, ऋषि कुमार सहित कई शिक्षकों ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए शीघ्र ही समाधान की आशा जताई।

भाजपा जिलाध्यक्ष पर अभद्र टिप्पणी, एससी एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार के विरुद्ध सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में मऊआइमा पुलिस ने पूर्व एमएलसी एवं भाजपा की जिलाध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान के विरुद्ध दो दिसंबर को सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी करने के बाबत मऊआइमा के ग्राम जमखुरी निवासी भाजपा नेता राम कुमार ने पूछा तो युवक ने जाति सूचक गालियां दी। जिसपर राम कुमार ने मऊआइमा थाने में ग्राम जगदीशपुर, थाना जेठवारा प्रतापगढ़ निवासी तबरेज खान पुत्र ईशा के विरुद्ध एस सी एस टी एक्ट सहित अनेकों गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया है।

अधेड़ के तहरीर पर दो के विरुद्ध केस दर्ज

दबंगों ने अधेड़ मजदूर को रोककर मारा पीटा, लहूलुहान पीड़ित ने मांडा थाने में दो पर केस दर्ज कराया

अखंड भारत संदेश

मांडा। यमुनापार क्षेत्र के दिघिया पुलिस चौकी अंतर्गत मसौली गांव में एक अधेड़ मजदूर को रास्ते में रोककर दबंगों ने कथित तौर पर मारपीट की। इस घटना में मजदूर लहूलुहान हो गया। पीड़ित ने मांडा थाने पहुंचकर दो लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है, जिसके आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पीड़ित की पहचान राजपति सिंह पुत्र छोटे लाल सिंह, निवासी ग्राम पड़जी, थाना बहरी, जनपद सीधी, मध्य प्रदेश के रूप में हुई है। उन्होंने अपनी तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार को दोपहर करीब बारह बजे मसौली गांव के अनूप सिंह पुत्र बृजेश सिंह और मनीष सिंह पुत्र सुरेंद्र सिंह ने उन्हें रोककर मारपीट की, जिससे वह घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर पीड़ित को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मांडा भेजा है।

मांडा उपनिरीक्षक माधव प्रसाद त्रिपाठी ने बताया कि मसौली गांव में घटना की जांच के लिए एक दरोगा को भेजा गया है। उपनिरीक्षक के अनुसार, प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पीड़ित राजपति सिंह शराबी प्रवृत्ति का व्यक्ति है। कुछ दिन पहले उसने कथित तौर पर शराब के नशे में अनूप सिंह के पिता बृजेश सिंह के साथ मारपीट की थी।

बुधवार को भी राजपति सिंह कथित तौर पर शराब पीकर गाली-गलौज कर रहा था और उसने कहा था कि 'तुम्हारे पिता को मारा था तो कुछ नहीं हुआ, तुम्हें भी मारेंगे तो क्या होगा'। इसी बात को लेकर अनूप सिंह और मनीष सिंह ने कथित तौर पर राजपति सिंह के साथ मारपीट की।

राजपति सिंह मसौली गांव निवासी विजय कुमार सिंह पुत्र मोहन लाल सिंह के घर पर मजदूरी का काम करते हैं और वहीं रहते हैं।

विद्यालय का ताला तोड़ कर चोरों ने हजारों के समान किया पार, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा ठंड शुरू होते ही चोरों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं। अज्ञात चोरों ने एक विद्यालय में हजारों की चोरी के बाद चोरों ने दूसरे विधालय को निशाना बनाते हुए हजारों का सामान चोरी कर ले गए। बुधवार को चोरी की सूचना पर पहुंचे शिक्षकों ने इसकी सूचना पुलिस को दिए। पुलिस जांच कर वापस लौट आयी। प्रधानाध्यापक मनीषा ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है। चोरी के बाद चोरों ने ग्राम बुआपुर में स्थित प्राथमिक विद्यालय का ताला तोड कर चोरों ने दो सिलेंडर, माइक, दो स्पीकर, वेट मशीन आदि हजारों की चोरी कर ले गए। बुधवार को चोरी की सूचना पर पहुंचे शिक्षकों ने इसकी सूचना पुलिस को दिए। पुलिस जांच कर वापस लौट आयी। प्रधानाध्यापक मनीषा ने मऊआइमा थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दी है।

दिव्यांग बच्चों को 15 एम0आर0 किट, 70 कान की मशीन एवं 15 स्कूल बैग एवं पाठ्य सामग्री का वितरण कर लाभान्वित कराया गया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विश्व दिव्यांग दिवस (03 दिसम्बर 2025) के अवसर पर ब्लाक संसाधन केन्द्र, नगर क्षेत्र, प्रयागराज में खेलकूद/सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विपिन चन्द्र दीक्षित माननीय न्यायमूर्ति उच्च न्यायालय, प्रयागराज मुख्य अतिथि एवं जिला विकास अधिकारी/प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी विशिष्ट अतिथि के साथ उप निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग प्रयागराज मण्डल, सहायक वित्त एवं लेखाधिकारी सर्व शिक्षा अभियान, समन्वयक समेकित शिक्षा, समन्वयक एम0डी0एम0 उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सर्व शिक्षा अभियान एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित बचपन डे केयर सेण्टर/उत्तर प्रदेश मूक बधिर विद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांग बच्चे अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में दिव्यांग बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सुन्दर प्रस्तुती दी गयी। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि गणों द्वारा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उ0प्र0 द्वारा संचालित कृत्रिम अंग/सहायक उपकरण योजनान्तर्गत दिव्यांग बच्चों को 15 एम0आर0 किट, 70 कान की मशीन एवं 15 स्कूल बैग/पाठ्य सामग्री का वितरण कर लाभान्वित किया गया।

कांग्रेस नेताओं ने गांवों में जाकर एसआईआर को लेकर ग्रामीणों में चलाया जन जागरण

अखंड भारत संदेश

सहसों। कांग्रेस पार्टी गंगापार जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में पार्टी के नेताओं व कार्यकताओं ने ननका का पूरा, बगई कला, बगई खुर्द एवं चंदौहा आदि गांव में जाकर के मतदाता पुनरीक्षण अभियान की जटिलताओं और होने वाली गड़बड़ियों के बारे में विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर सहसों के ननका का पूरा में जन जागरण अभियान चलाकर भराए जा रहे एसआईआर फॉर्म में बढ़-चढ़ कर हिस्सेदारी की मांग करते हुए गंगापार जिला अध्यक्ष ने कहा कि आप सभी लोग बीएलओ से संपर्क करके आवश्यक पेपर जो उपलब्ध हो को लेकर फॉर्म को पूरी तरह सही-सही भरकर 11 दिसंबर 2025 के भीतर अवश्य जमा कर दें। यदि आप लोग सतर्क और जागरूक नहीं रहेंगे तो भाजपा सरकार जो जन विरोधी है। उसका खामियाजा आपको भुगतना पड़ेगा यदि आपको बीएलओ का सहयोग नहीं मिल पा रहा है तो हम लोगों से सम्पर्क करें आपको पूरा सहयोग उपलब्ध कराएंगे। 11 दिसंबर के पूर्व आप सब पूरी जिम्मेदारी से फार्म जमा करें और जमा करने के लिए जन-जन तक इस अभियान को आगे बढ़ायें कांग्रेस पार्टी आपके साथ पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ सहयोग के लिए जहां जरूरत होगी साथ में खड़ी रहेगी। अभियान का संचालन विधानसभा प्रभारी देवराज उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर संगम लाल गुप्ता, श्याम जी धुरिया, सतीश चंद्र, संजय कुमार, राजेश सोनी, दुर्गविजय सिंह, शिवपूजन, दीपू कुमार, अखिलेश कुमार, सचिन कुमार, ज्ञानचंद्र, निरुपति, देवी शंकर, कमला शंकर, राजवलि चौरसिया आदि लोग उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर बाइक सवार ने साइकिल सवार को रौंदा, मौके पर मौत

करछना। थाना करछना अंतर्गत क्षेत्र के डांडो नहर के पास मंगलवार की रात विपरीत दिशा से आ रहा तेज रफ्तार से बाइक सवार ने सामने से आ रहे साइकिल सवार 65 वर्षीय ठाकुर प्रसाद पटेल को टक्कर मार दी?। जिससे साइकिल सवार को गंभीर चोट लगी। बाइक की जोरदार टक्कर से उनके सिर में गंभीर चोट आ गई। स्थानीय लोगों द्वारा घायल अवस्था में इलाज के लिए अस्पताल ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। वह किसानी का काम करते थे।

उसकी मौत से परिजनों में मातम छा गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया वहीं परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने बाइक सवार के खिलाफ मामला दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

महिला-पुरुष के अज्ञात शव मिलने से सनसनी

झूंसी। थाना क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर अज्ञात महिला और पुरुष के शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।

बुधवार की सुबह झूंसी पुलिया के पास करीब 60 वर्षीय एक अज्ञात महिला का शव मिला। उसी दिन शाम को, न्याय नगर के पास ग्रीन बेल्ट के अंदर एक पुरुष का शव भी बरामद हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने दोनों की शिनाख्त कराने की काफी कोशिश की, लेकिन पहचान नहीं हो पाई। पुलिस के अनुसार दोनों मृतक घुमंतू प्रतीत हो रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय विश्व विकलांगता दिवस पर दिव्यांगता उपकरण पाकर दिव्यांगो के चेहरे पर दिखी मुस्कान

करछना एवं चाका ब्लाक से उपस्थित 80 दिव्यांग जन हुए शामिल

अखंड भारत संदेश

करछना। अंतर्राष्ट्रीय विकलांगता दिवस के अवसर पर हिल प्रोजेक्ट और द लेप्रोसी सामुदायिक अस्पताल नैनी के सहयोग से एक कार्यक्रम का आयोजन करछना ब्लॉक के ग्राम सभा लिगदहिया में किया गया। इस कार्यक्रम में जसरा और करछना ब्लॉक से लगभग 80 से अधिक दिव्यांग और कुष्ठ से प्रभावित लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सोनाई ग्राम प्रधान एडवोकेट दिनेश श्रीवास्तव और सलाहकार के तौर पर राहुल त्रिपाठी, डाक्टर पुष्पांजलि साहू, और हील प्रोजेक्ट के प्रोग्राम मैनेजर जेम्स जॉर्ज मौजूद थे। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को अंतर्राष्ट्रीय विकलांग दिवस का महत्व और इसका इतिहास दिव्यांगता अधिकार, विकलांगता प्रबंधन और भेदभाव रहित समाज बनाने में इनके योगदान की जानकारी तथा जरूरत पड़ने पर पैरवी करना और इसके तरीकों के बारे में जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में लगभग 25 लोगों का दिव्यांगता जांच की गई और इसके प्रबंधन के लिए लेप्रोसी अस्पताल नैनी बुलाया गया। इन सभी जानकारी के

बाद कार्यक्रम के आखिरी चरण में दिव्यांगता संबंधी उपकरण का निःशुल्क वितरण किया गया।

आग लगने से गृहस्वामी की दम घुटने से मौत पत्नी व बेटी झुलसीं, चार गाड़ियां जलकर राख

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के अंतर्गत राजापुर स्थित गंगानगर की गली नंबर 12 में शॉट सर्किट के कारण बुधवार तड़के दो मंजिला मकान में आग लग गई। इसमें झुलसकर अजय आनंद उर्फ रितिक (37) की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पत्नी वंदना (32) व पुत्री श्रेया (7) व चार माह का भतीजा अयान गंभीर रूप से झुलस गए। वहीं, परिवार के अन्य बाहर निकलकर और पड़ोसी की छत पर कूदकर अपनी जान बचाई।नगर निगम के सफाईकर्मी रह चुके स्वर्गीय पन्नालाल का राजापुर में गंगानगर की गली नंबर 12 में दो मंजिला मकान है। इसमें शकुंतला देवी और उनके चार बेटे विजय, आनंद, अजय आनंद उर्फ रितिक व अनूप अपने-अपने परिवार के साथ रहते हैं। मंगलवार को परिवार को शादी समारोह से लौटने के बाद अपने-अपने कमरों में सो रहा था। सुबह करीब 4:30 बजे अचानक मकान के भूतल कमरे में लगे बिजली मीटर के पास एमसीवी में आग लग गई। थोड़ी देर में ही पूरा मकान धू-धू कर जलने लगा। गली से गुजर रहे लोगों की नजर पड़ी, तो उन्होंने शोर मचाया।आसपास के लोग अपने-अपने घरों से निकलकर बाहर आ गए। मकान के कमरों के अंदर तक धुआं फैल जाने से चार भाइयों का 15 सदस्यी परिवार फंस गया। पड़ोसियों ने भूतल में किचन की खिड़की तोड़ कर छत के रास्ते किसी तरह सभी लोगों को बाहर निकाला गया। इस दौरान दम घुटने से झुलसे घायल अजय उनकी पत्नी वंदना और बेटी श्रेया और छोटे भाई अनूप के चार माह के बेटे अयान को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने अजय को मृत घोषित कर दिया। जबकि वंदना और श्रेया की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, अयान की हालत स्थिर है।

पड़ोसियों ने आग बुझाने का किया प्रयास

आग की लपटे इतनी तेज थी कि कुछ ही मिनटों में घर की दूसरी मंजिज तक आग पहुंच गई। जिसे देख पड़ोसियों ने अपने-अपने घरों से बाल्टी से पानी फेंककर आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं, सूचना पर दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंची लेकिन छोटी गली होने के कारण वह समय से घर तक नहीं पहुंच सकी। इसके बाद मिनी टेंडर को बुलाकर आग पर काबू पाया गया। घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया था। अजय के चचेरे भाई संजय ने बताया कि आग में दो स्कूटी, दो बाइक, बेड, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन, कपड़े समेत अन्य सामान जल गया, लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है।

पहली मंजिल पर सो रहा था परिवार

हादसे के बाद मृतक अजय के बड़े भाई विजय आनंद ने बताया कि मंगलवार रात करीब 12 बजे परिवार शादी समारोह से लौटा था। इसके बाद सभी अपने-अपने कमरे में सो गए। छोटा भाई अजय ड्राइवरी का काम करता था। वह अपने परिवार के साथ पहली मंजिल पर सो रहा था। शोर सुनकर उठा तो चारों तरफ धुआं फैला था। आग की लपटों के अलावा कुछ नहीं दिख रहा था। इसी वजह से दम घुटने और आग में झुलसने से उनकी मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

स्कूटी चार्जिंग से हादसा होने की आशंका

घटना में दो स्कूटी भी जलकर राख हो गई है, आशंका है कि स्कूटी के चार्जिंग में लगे होने के वक्त एमसीवी बोर्ड से शॉर्ट सर्किट हुआ है। काफी पुरानी वायरिंग होने की वजह से आग पूरे मकान में फैल गई। वहीं, मुख्य अग्निशमन अधिकारी चंद्रमोहन शर्मा ने बताया कि सूचना पर दो दमकल गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। प्रारंभिक जांच में शार्ट सर्किट से आग लगी है। पता चला है कि स्कूटी में चार्जिंग लगे होने की भी बात सामने आ रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं है, जांच की जा रही है ।

रोटावेटर में फंसकर कक्षा छह के छात्र की मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के करारी भदैली विजहरा गांव में ट्रैक्टर के रोटावेटर में फंसकर कक्षा छह के छात्र आर्यन यादव (11) पुत्र दिनेश यादव की मौत हो गई। घटना को बुधवार को हुई। रोटावेटर से लहूलुहान बालक को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।बुधवार की सुबह समय लगभग 11 बजे आर्यन घर के बगल खेत में चल रहे ट्रैक्टर चालक को पानी देने गया था। इसी दौरान वह रोटावेटर में फंसकर घायल हो गया। दिनेश यादव के एक बेटी अंजली और इकलौता बेटा आर्यन था। अंजली कक्षा (8) में पढ़ती है। दोनों भाई बहन साथ में ही विद्यालय जाते थे, लेकिन उसकी मौत ने आज उसे विद्यालय जाने नहीं दिया। दिनेश यादव रोजी-रोटी के लिए बंगलूरू में रहते हैं। आर्यन यादव विवेकानंद कॉन्वेंट स्कूल बरौत में कक्षा छह का छात्र था। मां सरोज का रो- रो कर बुरा हाल रहा।

अब रात 8 बजे तक आधार कार्ड होंगे अपडेट

प्रयागराज। प्रधान डाकघर में आधार कार्ड संशोधन के कार्य को तीन घंटे और बढ़ा दिया गया है। पहले सुबह आठ से शाम पांच बजे तक ही आधारकार्ड संशोधन का काम होता था, लेकिन मंगलवार से इसे तीन घंटे और बढ़ाते हुए रात आठ बजे तक कर दिया गया है। यानी अब 12 घंटे यह कार्य होगा। प्रधान डाकघर में आधारकार्ड के संशोधन को लेकर लंबे समय से भारी भीड़ एकत्र होती है। जिलेभर के लोग यहां पहुंचते हैं। किसी को नाम, उम्र में संशोधन कराना होता है तो कोई अपने पते में संशोधन कराने यहां पहुंचता है।

लोगों की भारी भीड़ को देखते हुए काफी समय से यहां समयावधि बढ़ाने की बात कही जा रही थी। 24 घंटे आधारकार्ड संशोधन को लेकर भी चर्चा हुई थी। कहा गया था कि तीन चरणों में यहां कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी, लेकिन यह तय नहीं हो सका। जनसंपर्क अधिकारी राजेश वर्मा का कहना है कि यह व्यवस्था लागू भी कर दी गई है।

रोहित सिंह को सौंपी गई पीएम जन कल्याणकारी योजना में राष्ट्रीय महामंत्री की कमान

संगठन की नीतियों एवं जन कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा और ईमानदारी से दायित्वों का निर्वहन करना ही होगी हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

अखंड भारत संदेश

रोहित सिंह

मेजा। पीएम जनकल्याणकारी योजना जागरूकता अभियान में रोहित सिंह को राष्ट्रीय महामंत्री (विधि प्रकोष्ठ) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीत कुमार कौशिक ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए बताया कि समाजहित, संगठनात्मक कार्यों और जनजागरूकता में रोहित सिंह के सक्रिय योगदान को देखते हुए उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उल्लेखनीय है कि मेजा तहसील क्षेत्र के सिकरा गांव निवासी रोहित की यह नियुक्ति एक दिसंबर 2025 से एक दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। नियुक्ति पत्र की प्रति उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय तथा पुलिस महानिदेशक कार्यालय को भी भेजी गई है। साथ ही संगठन की ओर से यह स्पष्ट किया गया है कि किसी भी पदाधिकारी या कार्यकर्ता को संगठन के नाम पर किसी भी प्रकार की राशि न दी जाए, अन्यथा उसकी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित व्यक्ति की होगी। गौरतलब है कि रोहित सिंह की नियुक्ति की जानकारी मिलते ही उनके पैतृक गांव सिकरा एवं आसपास के क्षेत्रों में जश्न का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने रोहित सिंह की इस नियुक्ति को मेजा क्षेत्र का गौरव बताया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया है।संगठन के शीर्ष नेतृत्व द्वारा यह जिम्मेदारी मिलने पर रोहित सिंह ने कहा यह मेरे लिए काफी गर्व का अवसर है। यह सिर्फ मेरी नहीं बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि संगठन की नीतियों एवं जन कल्याणकारी उद्देश्यों के अनुरूप पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उनका मानना है कि अधिक से अधिक लोगों तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचे और वे उसका लाभ उठा सकें। उन्होंने आगे कहा कि मुझ जैसे छोटे कार्यकर्ता पर विश्वास जताने और जिम्मेदारी देने के लिए मैं संगठन के शीर्ष लोगों और समर्थकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं।

बता दें कि स्थानीय लोग और जनप्रतिनिधि इस नियुक्ति को क्षेत्रीय नेतृत्व और जागरूकता की दिशा में बड़ा कदम मान रहे हैं।

अयोध्या के जमुना प्रसाद को मिलेगा जनकवि कैलाश गौतम राष्ट्रीय काव्यकुंभ सम्मान

प्रयागराज। प्रतिष्ठित 14वां कैलाश गौतम राष्ट्रीय काव्यकुंभ सम्मान-2025 अयोध्या के ख्यातिलब्ध कवि व लेखक जमुना प्रसाद उपाध्याय को दिया जाएगा। साहित्य भूषण सम्मान प्राप्त कर चुके जमुना प्रसाद लंदन सहित विदेश के कई शहरों में काव्यपाठ कर चुके हैं। हिंदुस्तानी एकेडेमी में 28 दिसंबर को आयोजित भव्य समारोह में उन्हें सम्मानित किया जाएगा। यह निर्णय साहित्यिक सामाजिक सांस्कृतिक संस्था कैलाश गौतम सृजन संस्थान की बैठक में लिया गया। डा. श्लेष गौतम की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में तय हुआ कि प्रयागराज व आस-पास की विशिष्ट विभूतियों का सम्मानित किया जाएगा। वहीं, कवि सम्मेलन में इटावा के डा. कमलेश शर्मा, भरतपुर के डा. सुरेंद्र सार्थक, ठाकुरद्वारा के शरीफ भारती, शिमला के अभिषेक तिवारी, नोएडा के महेश प्रताप श्रीवास्तव, मुरादाबाद के राहुल शर्मा, गाजियाबाद की सरोज त्यागी, कोटा के डा. आदित्य जैन रचनाओं की प्रस्तुति करेंगे। काव्यकुंभ का समन्वयक राजन चतुर्वेदी तथा सह समन्वयक डा. पंकज रावत, डा. पवन कुमार, डा. धीरेंद्र विक्रम सिंह, डा. संदीप मिश्रा, डा. नेहा भारती, डा. चंद्रनाथ सिंह को बनाया गया है। डा. प्रकाश खेतान व डा. पीयूष दीक्षित समारोह के प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। अनिल अरोरा व इंजी. मनीष घोष ने प्रस्ताव रखा। स्वागत अनुराग अरोरा, संचालन अजीत सिंह ने किया। आभार अभिनय कोहली ने ज्ञापित किया। बैठक में संस्था के संरक्षक संतोष चौधरी, आरके अरोरा, डा. कृष्ण सिंह, आनंद श्रीवास्तव, डा. पीयूष दीक्षित, चंदन शर्मा, अभिषेक वर्मा, राजेंद्र यादव, अमित जायसवाल शामिल रहे।

मेजा के जेवनिया में 18 दिसंबर को आयोजित होने वाले सेवा महायज्ञ की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

आगामी कार्यक्रम की तैयारियों को बैठक करते शिवसेना पदाधिकारी और कार्यकर्ता

मेजा। तहसील क्षेत्र के जेवनियां गांव में आगामी 18 दिसंबर को आयोजित होने वाले सेवा महायज्ञ की तैयारियों को लेकर मंगलवार को विकास खंड मेजा के तेंदुआ गांव स्थित शिवसेना जिला मंत्री सुरेश कुशवाहा के आवास पर एक विशेष बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की गई और आयोजन को सफल बनाने हेतु पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी गईं।

कार्यक्रम के संबंध में शिवसेना की प्रदेश सचिव रुचि अभिषेक तिवारी ने बताया कि यह सेवा महायज्ञ दिव्यांगोथान श्रीराम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में संपन्न होगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कंबल वितरण, मेदांता अस्पताल द्वारा निःशुल्क चिकित्सा शिविर तथा दिव्यांग सहायता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि सेवा महायज्ञ में मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा डॉ.अभिषेक वर्मा, मुख्य राष्ट्रीय समन्वयक (शिवसेना, एनडीए गठबंधन एवं चुनाव प्रकोष्ठ) शामिल होंगे। इनके साथ में प्रदेश अध्यक्ष अभय द्विवेदी भी मौजूद रहेंगे। जो प्रयागराज की पावन भूमि पर मानवता का दीप प्रज्वलित करेंगे। बैठक में जिला प्रमुख सोनू सेठ, युवा सेना जिलाध्यक्ष शशिकांत भारतीय, दीपक गौड़, विकास तिवारी (विक्की), रोहित शुक्ला, अजय सिंह उर्फ अज्जू, विनय तिवारी, प्रमोद शुक्ला, रतिश विधार्थी, रोहित, अमन तिवारी, विनोद गुप्ता, आशीष तिवारी,धमेंद्र गुप्ता तथा शिवकांत दुबे आदि के अलावा बड़ी संख्या में शिवसेना पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरकारी वकीलों को पुलिस तुरंत दे अदालत द्वारा मांगी गई जानकारी- इलाहाबाद हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने जमानत अर्जियों पर मांगी गई जानकारी समय से देने का निर्देश दिया है ताकि सुनवाई में अनावश्यक देरी न हो। कोर्ट ने डीजीपी को सभी जिला पुलिस प्रमुखों को इस आशय का परिपत्र जारी करने का निर्देश दिया है। यह भी कहा कि जमानत आदेश भी ओएमबी सिस्टम के जरिये सीधे जेल भेजा जाए ।यह आदेश न्यायमूर्ति अरुण सिंह देशवाल की एकलपीठ ने बलिया निवासी याची विनोद राम की सशर्त जमानत मंजूर करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा, याची जमानत पाने का हकदार था, लेकिन थाना पुलिस ने मांगी गई जानकारी सरकारी वकील को देने में देरी की इससे उसे एक महीने तक जेल में रहना पड़ा। किसी आरोपित की स्वतंत्रता को केवल इसलिए बाधित नहीं किया जा सकता क्योंकि पुलिस अधिकारियों ने आवश्यक निर्देश देने में लापरवाही बरती है। याची के खिलाफ बांसडीह रोड थाने में बीएनएस की धारा 140(1), 61(2) और 238 के तहत केस दर्ज है। पूर्व में आठ अक्टूबर को सुनवाई में एजीए को जांच और अपहृत रामनिवास राम की बरामदगी के संबंध में निर्देश प्राप्त करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन 17 नवंबर को सुनवाई के दौरान न्यायालय को सूचित किया गया कि बलिया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पत्र भेजे जाने के बावजूद कोई निर्देश नहीं दिया है। पीठ ने इस चूक को ह्यन्याय प्रशासन में हस्तक्षेप के अलावा कुछ नहींह्ण करार दिया और कहा, कृत्य अवमाननापूर्ण है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया। एसएसपी ने 25 नवंबर को व्यक्तिगत हलफनामा दायर कर कोर्ट को सूचित किया कि शासकीय अधिवक्ता का पत्र मिला था, परंतु जांच अधिकारी ने आवश्यक जानकारी नहीं दी। संबंधित उपनिरीक्षक महेंद्र रावत के खिलाफ प्रारंभिक जांच शुरू कर दी गई है और जांच पूरी होने तक उसे निलंबित कर दिया गया है। जांच के औचित्य के बारे में पुलिस ने दलील दी कि प्रयासों के बावजूद अपहृत व्यक्ति का शव नहीं मिल पाया है।

जल बचाओ, पर्यावरण बचाओ हेतु गोविंद यादव की मुंबई तक साइकिल यात्रा

अखंड भारत संदेश

जंघई। सपा नेता पंधारी यादव के करीबी तुलसी चक भदोही उत्तर प्रदेश से एक युवा पर्यावरण प्रेमी गोविंद यादव ने साइकिल से मुंबई-दादर की ओर 21 नवंबर को प्रस्थान किया। उनका मिशन जल संकट और बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ आवाज उठाना और लोगों को जागरूक करना यह यात्रा 6 दिसंबर को संपन्न होगी। यात्रा के प्रमुख पड़ाव नासिक, महाराष्ट्र में संदीप यादव महाजन और उनके साथियों ने गोविंद का गर्मजोशी से स्वागत किया। साथियों में जयप्रकाश यादव आजमगढ़, प्रतीक यादव जौनपुर, दिनेश यादव आजमगढ़, आशीष शुक्ला सुलतानपुर, प्रदीप यादव और कई अन्य युवा साथी स्वागत समारोह में मौजूद रहे। सभी ने एकजुट होकर गोविंद को शुभकामनाएँ दीं और इस महत्वपूर्ण पहल के लिए समर्थन का हाथ बढ़ाया। यह यात्रा महत्वपूर्ण है क्योंकि

देश में जगह-जगह जल संकट गहराता जा रहा है। सरकार के प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता भी जरूरी है। गोविंद की साइकिल यात्रा इसी संदेश को लेकर आगे बढ़ रही है हर बूँद बचाओ, हर सांस को स्वच्छ बनाओ। गोविंद यादव ने कहा कि यदि आप भी जल और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना चाहते हैं, तो अपने आस-पास के लोगों को जागरूक करें,और मिलकर इस पहल को आगे बढ़ाएँ।

प्रयागराज में इस्माइल गैंग के 3 सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट : जुआ-सट्टा चलाने वाले गिरोह के खिलाफ मुकदमा दर्ज

प्रयागराज। धूमनगंज थाना पुलिस ने मोहम्मद इस्माइल गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस गिरोह के तीन सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। यह गिरोह लंबे समय से जुआ-सट्टा चलाने और उससे आर्थिक लाभ कमाने में सक्रिय था, जिससे क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ था। इंस्पेक्टर राजेश उपाध्याय ने बताया कि मंगलवार को उनकी टीम गश्त पर थी। इस दौरान अनुमोदित गैंग चार्ट के आधार पर मोहम्मद इस्माइल गिरोह की पहचान की गई। गिरोह का सरगना मोहम्मद इस्माइल (45 वर्ष) धूमनगंज थाना क्षेत्र के कसारी-मसारी का निवासी है। इसके दो सक्रिय सदस्य नबी अहमद (38 वर्ष) और इकराम उर्फ एकराम (50 वर्ष) भी इसी क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार, यह संगठित गिरोह अंतर्राज्यीय स्तर पर जुआ-सट्टा चलाने में शामिल है और इनके खिलाफ पहले भी कई मामलों में कार्रवाई हो चुकी है। इस गिरोह के खिलाफ वर्ष 2018 में धूमनगंज थाने में सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत एक मुकदमा दर्ज किया गया था।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में साठ बूथों पर शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन हुआ पूरा

अखंड भारत संदेश

बारा। चुनाव आयोग द्वारा आयोजित प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम में एईआरओ तहसीलदार बारा के साठ बूथों पर शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन बुधवार को पूरा हो गया। शासन द्वारा प्रगाढ़ मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसके लिए बारा तहसील के सभी अधिकारी और कर्मचारी ड्यूटी पर लगाए गए हैं।इसी क्रम में तहसीलदार बारा रोशनी सोलंकी को पड़ुआ, डेराबारी, सेमरी तरहार, नौढ़िया, अमिलिया, बेला मुंडी, पचवर, गोझवार, महेरा, घूरी, गोबरा, छतहरा घुरेहठा, बसहरा, मानपुर, ओझा पट्टी, कचरा, भभंउर, नगरवार, चिल्ला गौहानी, परसरा, तातारगंज, सेंधुवार, लेउदा, बिरवल, सुजौना, कैनुआ, कंजासा, बीकर, इरादतगंज, देवरिया, घूरपुर, भीटा, मनकवार गांवों के बूथों का एआरओ बनाया गया है। बुधवार देर शाम सभी साठ बूथों में शत प्रतिशत डिजिटाइजेशन का काम पूरा हो गया है। तहसीलदार बारा ने इसके लिए लेखपालों, शिक्षकों, शिक्षामित्रों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, सरकारी दुकानदारों सहित बीएलओ के प्रति आभार व्यक्त किया है। कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पूर्व निर्धारित अवधि में काम पूरा करके टीम ने बधाई का काम किया है।

अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर दिव्यांगजनों को ट्राईसाइकिल बैसाखी व स्मार्ट केन का किया गया वितरण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के अवसर पर प्रयास राजकीय अक्षम विद्यालय बढ़नी मोहनगंज में जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण विभाग द्वारा 25 ट्राई साइकिल, 10 बैसाखी, 15 स्मार्ट केन आदि का वितरण किया गया। उपकरण पाकर दिव्यांगों के चेहरे खिल उठे और उनकी खुशी देखने लायक थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने कहा कि दिव्यांगता अभिशाप नही बल्कि कुछ कर गुजरने की कुंजी है। स्टीफन हॉकिंस, हेलेन केलेन, सूरदास, अष्टावक्र, जगतगुरु रामभद्राचार्य, सुधा चंद्रा आदि दिव्यांग महान विभूतियों का जिक्र करते हुए कहा कि अपने ऐतिहासिक खोज और कार्यों के कारण आज पूरी दुनिया इनका लोहा मानती है और पूरी दुनिया में ये लोग प्रसिद्ध है। उन्होंने कहा कि समाज में लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी चीज से कमजोर है इसीलिए सब में दिव्यांगता पाई जाती है। इससे हौसला बना कर पार पाने की जरूरत है।

जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी आशीष द्विवेदी ने कहा कि किसी भी दिव्यांग को उपकरण या पेंशन, के लिए भटकना नही पड़ेगा क्योंकि कि उत्तर प्रदेश एवं केंद्र सरकार ने दिव्यांगों के लिए पर्याप्त मात्रा में संसाधन उपलब्ध कराया है। शासन के साथ-सथ समाज की भी जिम्मेदारी है कि दिव्यांगों तक उपकरण एवं पेंशन, शादी अनुदान, दुकान निर्माण आदि योजनाएं पहुंचाएं। कार्य वाहक प्रधानाचार्य श्रीनारायण यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्यांग बच्चों के लिए समेकित से लेकर स्पेशल विद्यालयों का संचालन कर रही है जिसके कारण आज दिव्यांग अच्छे पदों पर विराजमान हैं। कार्यक्रम में अमित कुशवाहा, अनिरुद्ध नारायण तिवारी, हर्ष सिंह राकेश, संजय, शंकर लाल आदि उपस्थित रहे।

विधवा भयाहू को जेठ ने पीटकर किया घायल

पट्टी। विधवा महिला को जेठ ने मारपीट कर घायल कर दिया। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोतवाली क्षेत्र के नादी गांव की रहने वाली रिंकू देवी पत्नी स्वर्गीय राकेश कुमार गुप्ता ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया है कि बुधवार की सुबह उसका जेठ अपने रिश्तेदार के साथ उसके घर पर चढ़ आया और गालियां देते हुए मारना पीटना शुरू कर दिया। आरोप है कि पीड़ित महिला के पति की मृत्यु के बाद से ही उसके हिस्से की भूमि जेठ हड़पने की नीयत से उसे आए दिन तरह-तरह से हैरान व परेशान करते रहते हैं। जिसकी शिकायत पीड़ित महिला ने नामजद तहरीर पुलिस को देकर की है। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बाइक व मैजिक डाला में आमने-सामने हुई टक्कर, महिला समेत तीन घायल

पट्टी। बाइक पर दो महिला को बैठाकर सामान की खरीदारी करने जा रहे युवक की बाइक में सामने से आ रही मैजिक डाला ने जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक चालक व पीछे बैठी महिलाएं सड़क पर गिरकर घायल हो गई। घायलों को इलाज के लिए सीएचसी लाया गया। जहां पर युवक की हालत गंभीर होने पर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के सरखेलपुर गांव के रहने वाले शुभम कुमार वर्मा पुत्र भरत वर्मा बहन कुसुम देवी पत्नी राजकुमार व नीतू देवी को लेकर बुधवार की दोपहर पट्टी मेले में सामान लेने के लिए जा रहा था। जैसे ही वह पट्टी-रानीगंज मार्ग पर बेलसंडी गांव के समीप सब्जी मंडी के पास पहुंचा था कि तेज रफ्तार आ रही मैजिक डाला ने बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल होगए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को पट्टी सीएचसी भेजा गया। जहां पर बाइक चला रहे शुभम कुमार की हालत गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। दोनों महिलाओं का इलाज सीएचसी पट्टी में चल रहा है।

दुकान बंद करके घर जा रहे व्यापारी को पीटा

पट्टी। दुकान बंद करके घर जा रहे व्यापारी को रास्ते में रोककर पीट दिया। मामले की शिकायत पीड़ित ने डायल 112 के साथ ही पट्टी कोतवाली में की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। होशियारपुर गांव निवासी रविशंकर पाण्डेय पुत्र सूर्यमणि ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपित किया है कि बीते मंगलवार को देर रात वह दुकान बंद करके अपने घर जा रहा था। तभी गांव के कुछ लोग दुकान पर पहुंचे और सामान लेकर रुपये घर पर देने की बात कहकर एक ही बाईक पर बैठा लिया। कुछ दूर जाने पर पेशब करने की बहाने बाईक से उतरकर उसकी पिटाई शुरू कर दी। पीड़ित ने आरोप लगाया कि कनपटी पर कट्टा सटाकर उसके पास से मोबाइल व एक हजार रुपये भी छीन लिया। साथ ही अपनी बात कहवाकर एक वीडियों भी अपने मोबाइल से बनाया उसके बाद आरोपी उसे डंडे से मारकर भाग निकले। युवक ने इसकी सूचना तुरंत 112 पर दी।

अधिवक्ता व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों की करते है रक्षा : राम मिलन शुक्ल

अधिवक्ता दिवस पर भा.भा.अ. द्वारा आयोजित हुआ संगोष्ठी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय भाषा अभियान काशी प्रांत प्रतापगढ़ इकाई के आयोजकत्व में दीवानी न्यायालय परिसर स्थित अधिवक्ता भवन में अधिवक्ता दिवस पर राष्ट्र निर्माण में अधिवक्ताओं की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता मौजूद वरिष्ठ अधिवक्ता राम मिलन शुक्ल ने अधिवक्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण में अधिवक्ताओं की भूमिका महत्वपूर्ण होती है,क्योंकि वे कानून के शासन, न्याय प्रणाली और मानवाधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करते हैं। अधिवक्ता संविधान की रक्षा करते हैं और कानूनी ढाँचे को आकार देते हैं। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक मिश्र ने कहा कि अधिवक्ता कानूनी प्रणाली की रीढ़ हैं, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि सभी नागरिक कानून के समक्ष समान हैं और निष्पक्ष सुनवाई के हकदार हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सह संयोजक राजाराम सरोज ने कहा कि अधिवक्ता संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करते हैं, कानूनी चुनौतियों के माध्यम से इसके सिद्धांतों और मूल्यों को बनाए रखते हैं। अभियान के संयोजक महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि अधिवक्ता न केवल कानून लागू करने में मदद करते हैं बल्कि एक न्यायपूर्ण और स्थिर समाज बनाने में भी मदद करते हैं, जो राष्ट्र निर्माण के लिए आवश्यक है। संगोष्ठी में प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता अशोक मिश्रा, शिवेश शुक्ल, अनुराग मिश्रा, आशीष गुप्ता आकाश गुप्ता, अरविंद पांडेय, उत्पल मिश्रा, अनुज तिवारी, अखिलेश तिवारी, अनुराग पांडेय, अनूप तिवारी आयुष द्विवेदी, प्रभाकर नाथ चैधरी सहित आदि अधिवक्ता प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

शक्षाविद् के निधन पर प्रमोद व मोना ने जतायी संवेदना

प्रतापगढ़। शिक्षाविद् के निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गयी। रामपुर बावली पूरे हृदय निवासी डॉ0 शशिधर शुक्ल 95 का बीती मंगलवार की शाम आकस्मिक निधन हो गया। मौत की जानकारी होने पर राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी व क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना ने गहरी संवेदना जतायी है। वहीं क्षेत्र के आद्या प्रसाद मिश्र, सुनील त्रिपाठी, सुरेश चैरसिया, क्षमापति तिवारी, वाचस्पति तिवारी आदि ने भी शिक्षाविद स्व0 शशिधर शुक्ल के निधन पर गहरा दुख जताया है।

अवैध पेड़ काटने पर ठेकेदार पर हुआ जुर्माना

प्रतापगढ़। अवैध पेड़ों की कटान को लेकर डीएफओ ने आरोपी ठेकेदार पर जुमार्ना लगाकर शिकंजा कसा है। कालाकांकर वन रेंज क्षेत्र के जमालपुर में अवैध रूप से ठेकेदार अलीपुर निवासी शिवकरन द्वारा हरे पेड़ काटे जाने की शिकायत बीती मंगलवार को ग्रामीणों ने डीएफओ से की। डीएफओ जगदंबिका प्रसाद द्वारा जांच कराए जाने पर शिकायत सही पायी गयी। इस पर डीएफओ के कड़े निर्देश के बाद आरोपी ठेकेदार पर चैसठ हजार का जुमार्ना किया गया। डीएफओ ने बताया कि आरोपी ठेकेदार पर जुमार्ना किया गया है। हरे पेड़ के अवैध कटान रोके जाने को लेकर विभाग सतर्कता बरत रहा है।

मारपीट व धमकी में तीन पर केस

प्रतापगढ़। मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के सराय मकई गांव निवासी रामराज सरोज पुत्र भागीरथी सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती अटठाईस नवंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे पुरानी रंजिश को लेकर परिवार के कमलेश सरोज अपने पुत्रों साहिल व सागर के साथ दरवाजे पर पहुंचे और गालीगलौज करने लगे। आरोप है कि पीड़ित के पुत्र विकास सरोज के विरोध करने पर आरोपियों ने उसे मारापीटा व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक मनोज पाण्डेय का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

पिलर तोड़ने के विवाद में तीन पर केस

प्रतापगढ़। पिलर तोड़ने के विवाद में आरोपियों ने मारपीट की। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे फत्ते सिंह गांव निवासी रामलखन यादव पुत्र रामस्वरूप यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती एक दिसंबर की शाम करीब साढ़े सात बजे गांव के जयप्रकाश उर्फ पप्पू, मनोज यादव, अजय यादव पुत्रगण रामबहादुर यादव एकराय होकर पीड़ित के खेत में लगाए गए पिलर को जबरन तोड़ने लगे। पीड़ित के नाती लवकुश ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे मारापीटा। बचाव में पहुंची पीड़ित की पत्नी रमापति के साथ भी मारपीट की। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

घर से पानी निकलने के विवाद में भिड़े दो पक्ष, केस

प्रतापगढ़। घर के पानी निकलने के विवाद को लेकर हुई मारपीट की घटना में पुलिस ने दोनों पक्षों पर शिकंजा कसते हुए केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली में तैनात कांस्टेबल रामकुमार यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गश्त के दौरान बीती एक दिसंबर को सुबह करीब ग्यारह बजे ढ़िगवस गांव की शोभा देवी पत्नी देव प्रताप पाण्डेय व नीलम पाण्डेय पत्नी रज्जन पाण्डेय तथा दोनों परिवार के कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा घर से पानी निकलने के विवाद को लेकर गालीगलौज व मारपीट की गयी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि कांस्टेबल की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध घायल

पट्टी। पैदल घर जा रहे बुजुर्ग को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन उसे इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराए। तहसील क्षेत्र के देवसरा थानाक्षेत्र के दमड़ी गांव निवासी नन्हे लाल वर्मा उर्फ नेवासा (75) सदहा बाजार से पैदल अपने घर के लिए जा रहा था। जैसे ही वह सदहा पावर हाउस के पहुंचा पीछे से आ रहे अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना आसपास के लोगों को हुई तो उन्होंने परिजनों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन बुजुर्ग को इलाज के लिए सीएचसी पट्टी ले गये।

वकालत के मिशन को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ भव्यता से मना अधिवक्ता दिवस

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अधिवक्ता दिवस पर बुधवार को स्थानीय जिला पंचायत सभागार में आल इंडिया रूरल बार एसोसिएसन के तत्वाधान में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता दिवस पर ख्यातिप्राप्त वकीलों का सम्मान भी हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल एवं राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी महेश तथा जिलाध्यक्ष अंजनी सिंह बाबा ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं के साथ देश के प्रथम राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। बतौर मुख्य अतिथि वकील परिषद के पूर्व अध्यक्ष देवानंद त्रिपाठी ने कहा कि न्याय एवं विधि के क्षेत्र में वकालत ने सदैव जरूरतमंदों की आवाज बुलन्द की है। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता रमेशचंद्र पाण्डेय, चिंतामणि पाण्डेय, रोहित शुक्ल, जूबाए महामंत्री विवेक त्रिपाठी, वरिष्ठ अधिवक्ता राममिलन शुक्ल, इरफान अली, जेपी मिश्र, देवी प्रसाद मिश्र बेलौरा, संतोष नारायण मिश्र, सुरेश नारायण तिवारी, दिवाकर सिंह ने अधिवक्ता दिवस की महत्वता पर प्रकाश डाला। संगोष्ठी में एसोसिएसन के राष्ट्रीय महासचिव अनिल कुमार तिवारी महेश व प्रदेश प्रभारी विकास मिश्र ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं को अंगवस्त्रम तथा माल्यार्पण के साथ मान पत्र भेंट कर डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद स्मृति सम्मान से अधिवक्ताओं को विभूषित किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने वकालत के मिशन को मजबूत बनाए जाने का आहवान किया। संचालन पूर्व अध्यक्ष आचार्य ओमप्रकाश मिश्र ने किया। स्वागत भाषण अधिवक्ता शिशिर शुक्ल एवं आभार प्रदर्शन शैलेन्द्र मिश्र ने किया। इस मौके पर विवेक कुमार शुक्ल, परशुराम सेना के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ला, अभिषेक तिवारी, राकेश त्रिपाठी, मान सिंह, राहुल गुप्ता, मकरन्द शुक्ल, बैजनाथ यादव, हरिदत्त तिवारी, विवेक दत्त मिश्र पॉली, बृजेश बहादुर सिंह आदि अधिवक्ता रहे। कार्यक्रम में अधिवक्ताओं की भारी तादात में सहभागिता भी देखी गयी।

उत्पीड़न व मारपीट को लेकर ससुरालीजनों पर केस दर्ज

प्रतापगढ़। विवाहिता के साथ उत्पीड़न व मारपीट की घटना को लेकर पुलिस ने ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लीलापुर थाना क्षेत्र के सिंधौर गांव निवासिनीविभा विश्वकर्मा पुत्री राम गोपाल विश्वकर्मा का विवाह कानपुर जिले के बर्रा निवासी संदीप विश्वकर्मा के साथ बीती सोलह अप्रैल को हुआ। पीडिता का आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुरालीजन दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगे। बीती पचीस नवंबर को पति संदीप ने ससुर रामचन्द्र विश्वकर्मा, सास पार्वती देवी, जेठ शेखर व नीरज तथा जेठानी मधु व लक्ष्मी एवं ननद शिवकुमारी ने उसे मारापीटा व जानलेवा धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार पाण्डेय का कहना है कि जांच के बाद पति समेत ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

खेल महोत्सव में छात्र-छात्राओं ने दिखाया दमखम

लालगंज। चिल्ड्रेन पैराडाइज स्कूल एवं रामकृपाल मिश्र इण्टर मीडिएट कालेज कॉलेज में आयोजित चार दिवसीय खेल महोत्सव के दूसरे दिन बालिकाओं का खासा दबदबा रहा। दूसरे दिन के खेल मे वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में शिवांश मिश्रा की टीम विजेता रही। वही हांकी स्नैचिंग में सीनियर वर्ग की छात्रा प्रिया भारती की टीम ने विजेता का खिताब हासिल किया। लेमन रेस में खुशी तिवारी प्रथम, काजल द्वितीय, प्रिया तीसरे स्थान पर रही। दो सौ मीटर की रेस में आयुष प्रथम, आकाश द्वितीय, विकास तीसरे को तीसरा स्थान हासिल हुआ। बालिका रेस में श्रद्धा प्रथम, प्रिया द्वितीय, अर्पिता तीसरे स्थान पर रही। सीनियर वर्ग गोला फेक में सुभाष मिश्रा प्रथम, साकिब द्वितीय, नितिन पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहे। वहीं बालिका कबड्डी में मोहम्मद अयान, सूरज सिंह, वसीम खान, मोहम्मद आसिफ, मोहम्मद उल्लाह, सल्तनत तिवारी, सुभाष पांण्डेय की टीम विजेता रही। रेफरी की भूमिका सूर्यभान वर्मा तथा रोहित यादव ने निभाई। शमशाद अहमद व शिवनारायण गुप्ता उद्घोषक रहे। कार्यक्रम का संयोजन ध्रुव नारायण मिश्र ने किया। विजेता खिलाड़ियों को मेडल व ट्रॉफी प्रधानाचार्य विकास मिश्र ने प्रदान कर प्रतिभागियों का हौंसला बढ़ाया।

जिला खेल एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक संपन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की बैठक परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में आयोजित की गई जिसमें महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार विमर्श करते हुए समस्त सदस्यगणों ने एजेंडा में लिखित पहलुओं पर सर्वसम्मति से प्रस्ताव पास कर दिया। बैठक में प्रमुख रूप से जिला पंचायत अध्यक्ष माधुरी पटेल, सांसद प्रतिनिधि बीएल वर्मा, सहायक आयुक्त (खाद्य सुरक्षा द्वितीय) अभय कुमार सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी, डिप्टी सीएमओ डॉक्टर आजाद अली, जिला पूर्ति अधिकारी अनुभव त्रिवेदी, जिला विद्यालय निरीक्षक ओंकार राणा, आबकारी निरीक्षक अशोक कुमार, एआरएम रोडवेज अनवार अहमद, आरआई नगर पालिका जय बहादुर, जिला व्यायाम निरीक्षक राम कुमार सिंह, सचिव जिला ओलंपिक संघ रघुराज बहादुर सहित डी आर यादव, आदित्य शुक्ला, मंजू सिंह, आदम कुरैशी, सहित कई अन्य सदस्यों ने सहभागिता की। अंत में जिला खेल अधिकारी पूनम लता राज ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

पड़ोसियों ने दंपति को घर में घुसकर पीटा, तोड़फोड़ का आरोप

पट्टी। दबंग पड़ोसियों ने रंजिशन दंपति को पीटकर घायल कर दिया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की गई है। कोतवाली क्षेत्र के कंजा सराय गुलामी गांव निवासी अमरजीत मिश्रा ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि मंगलवार सुबह वह अपने घर के सामने बैठा था। इस बीच पड़ोसी मां बहन की गालियां देते हुए उसकी लाठी-डंडे से पिटाई करने लगे। जब वह जान बचाने के लिए घर के भीतर भागा तो आरोपी घर में घुसकर लाठी-डंडों से उसके साथ ही पत्नी सुनीता को भी पीटकर घायल कर दिया। आरोप है कि उक्त लोगों ने घर के भीतर रखे सामान को भी लाठी-डंडे से तोड़ दिया। मामले में पांच लोगों के विरुद्ध नामजद शिकायत पुलिस से करते हुए कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

समारोहपूर्वक मनाया गया अधिवक्ता दिवस

अखंड भारत संदेश

लालगंज। संयुक्त अधिवक्ता संघ द्वारा पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद का जन्मदिन बुधवार को यहां समारोहपूर्वक मनाया गया। स्थानीय दीवानी अदालत के सभागार में हुए समारोह का शुभारंभ अपर जिला जज रघुवीर सिंह राठौर, एसीजेएम विराटमणि त्रिपाठी एवं सिविल जज के0 मल्लिकार्जुन ने डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद के चित्र पर माल्यार्पण कर किया। अपर जिला जज रघुवीर सिंह राठौर ने कहा कि अधिवक्ताओं को जरूरतमंदो को न्याय दिलाने के लिए प्रखर भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विराटमणि त्रिपाठी व संचालन संघ के महामंत्री हरिश्चंद्र पाण्डेय ने किया। वरिष्ठ अधिवक्ता पवन पाण्डेय, आशुतोष सिंह, रमेश पाण्डेय, प्रवीण यादव, शहजाद अंसारी, विनोद मिश्र ने अधिवक्ता दिवस पर न्याय की सुचिता के वातवरण पर जोर दिया। इस मौके पर विभूति शुक्ला, मनंजय यादव, विभाकरनाथ शुक्ल, मुकेश तिवारी, जान्हवी प्रताप सिंह आदि अधिवक्ता रहे।

दावे-आपत्तियाँ 16 दिसंबर तक करें दाखिल

प्रतापगढ़। उप जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य प्रजापति ने बताया है कि लखनऊ खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावली को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के अनुसार तैयार हो गई है और मतदाता सूची की प्रति कार्यालय समय के दौरान जिला निर्वाचन कार्यालय, मतदाता पंजीकरण केन्द्रों एवं पदाभिहित स्थलों पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध है। निर्वाचक नामावली की अर्हक तिथि 1 नवम्बर 2025 निर्धारित की गई है। इस तिथि के आधार पर यदि कोई पात्र व्यक्ति अपना नाम शामिल कराना चाहता है या सूची में दर्ज किसी नामध्प्रविष्टि पर आपत्ति दर्ज कराना चाहता है, तो वह प्रारूप-19, 7 या 8 में आवश्यक दावा अथवा आपत्ति 16 दिसंबर 2025 (मंगलवार) तक दाखिल कर सकता है। दावे-आपत्तियाँ जिला निर्वाचन कार्यालय, सम्बन्धित मतदाता पंजीकरण केन्द्रोंध्समस्त पदाभिहित स्थलों में जमा की जा सकती है। यह सुनिश्चित करना होगा कि आवेदन निर्धारित तिथि से पूर्व संबंधित अधिकारी को प्राप्त हो जाए।

रीवा के राजगीर का झाड़ियों में मिला रक्त रंजित शव

अखंड भारत संदेश

युवक की हत्या कर शव फेंके जाने की आशंका

कौशांबी। करारी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर मोड़ के पास बुधवार की सुबह प्रयागराज करारी मुख्य मार्ग के बगल में झाड़ियों में एक युवक का रक्त रंजित पड़ा हुआ था क्षेत्र से गुजर रहे लोगों ने जब युवक का रक्त रंजित शव देखा तो हड़कंप मच गया जानकारी मिलते ही आसपास गांव के तमाम लोग मौके पहुंच गए मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है मौके पर भारी फोर्स के साथ थाना अध्यक्ष पहुंचे हैं भीड़ के बीच मौजूद लोगों से शव की शिनाख्त कराए जाने का प्रयास किया गया है लेकिन मृतक युवक के चेहरे पर अधिक चोट होने के चलते युवक की शिनाख्त नहीं हो सकी है दोपहर बाद युवक की शिनाख्त हो गई है। जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश के रीवा जनपद के बैकुंठपुर थाना क्षेत्र के मस्का गांव निवासी सूरज कोल उम्र 28 वर्ष पुत्र विमलेश कुमार कोल अपने साथियों के साथ राजगीर का काम करते हैं और मंझनपुर कोतवाली के दुर्गा देवी इंटर कॉलेज ओसा के पास किराए का मकान लेकर वह साथियों के साथ रहते थे रीवा के राजगीर की रक्त रंजित लाश

करारी थाना क्षेत्र के लक्ष्मणपुर के झाड़ियों के पास कैसे पहुंची यह बड़ी जांच का विषय है पुलिस ने मृतक युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया है आशंका जताई जा रही थी कि युवक की हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाया गया है और पहचान ना हो इसके लिए चेहरे को बेरहमी से कुचल दिया गया है रीवा के राजगीर की मौत ने तमाम अनसुलझे सवाल खड़े कर दिए हैं जो पुलिस की बड़ी जांच का विषय है हालांकि बताया जाता है कि उसके साथ रहने वाले लोग भी मौके पर नहीं मिले हैं राजगीर की मौत होने के बाद उसके साथी कहां फरार हो गए हैं पुलिस इसकी जांच कर रही है।

ब्रिटिश पीरियड के जल्लादों की तरह आतंक अत्याचार कर रहे हैं फूड इंस्पेक्टर

चरवा चौराहे के खोवा से हजारों घरों की शादी विवाह में प्रति वर्ष बनी मिठाई को लाखों लोगों के खाने के बाद कोई भी व्यक्ति नहीं होता बीमार

पशुपालकों के खोवा की बिना जांच किए नष्ट करने वाले फूड इंस्पेक्टर पर मुकदमा दर्ज करके क्या उनको किया जाएगा निलंबित

कौशांबी। राजस्थान के मिलावट खोर कारोबारी सहित बड़े दुकानदारों से करोड़ों रुपए महीने की अवैध वसूली करने वाले फूड विभाग के अधिकारी वसूली बढ़ाने के चक्कर में अब चरवा चौराहे पर दो-चार किलो खोवा बेचकर जीवन का निर्वाहन करने वाले पशुपालकों को भी सताने लगे हैं चरवा मंडी में दो-चार किलो खोवा बेचने वाले पशुपालकों से फूड इंस्पेक्टर महीने में घूस की रकम चाहते हैं और महीने की रकम न मिलने के बाद खोवा के सैंपल की लैब या अन्य माध्यम से बिना जांच कराए पशुपालकों का खोवा नष्ट कर उन्हें प्रताड़ित कर रहे हैं फूड इंस्पेक्टर के बढ़ते आतंक से पशु पालकों के सामने बड़ी मुसीबत खड़ी दिखाई पड़ रही है लेकिन कानून व्यवस्था का हवाला देने वाले अधिकारी भी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं और नेता जनप्रतिनिधि भी फूड इंस्पेक्टर के आतंक अत्याचार पर आवाज उठाने को तैयार नहीं है जिससे सैकड़ो पशुपालक के सामने कठिन समस्या दिखाई पड़ रही है सवाल उठता है कि खोवा की बिना जांच किए आशंका के आधार पर पशुपालक के खोवा को कैसे खराब बताया जा सकता है और कैसे उस खोवा को नष्ट किया जा सकता है जबकि चरवा चौराहे में बिकने वाले खोवा से प्रत्येक वर्ष हजारों लोगों के घरों के शादी विवाह के कार्यक्रम में मिठाइयां बनाई जाती है और लोगों को परोसा जाता है और हजारों घरों की शादी विवाह में लाखों लोगों के भोजन करने के बाद चरवा चौराहे के खोवा से बनी मिठाई खाने से कोई भी व्यक्ति बीमार नहीं होता है लेकिन सोमवार को चरवा चौराहे पर फूड इंस्पेक्टर का आतंक देखने को मिला है और दो चार किलो खोवा लेकर पहुंचने वाले दो दर्जन पशुपालकों के खोवा की जांच किए बिना फूड इंस्पेक्टर ने नष्ट कर दिया है फूड इंस्पेक्टर भारत मिश्रा की कार्यवाही ब्रिटिश शासन के आतंक अत्याचार की कहानी याद दिला रही है जहां कानून का राज नहीं तानाशाही चलती थी और यही स्थिति इस समय फूड इंस्पेक्टर की तानाशाही की दिखाई पड़ रही है फूड इंस्पेक्टर की तानाशाही को क्या आला अधिकारी संज्ञान लेंगे और पशुपालकों के खोवा की बिना जांच किए नष्ट करने वाले फूड इंस्पेक्टर पर मुकदमा दर्ज करके उनको निलंबित किया जाएगा और पशुपालकों के खोवा के नुकसान की भरपाई आतंक अत्याचार करने वाले फूड इंस्पेक्टर के वेतन से कराई जाएगी या फिर इसी तरह से फूड इंस्पेक्टर का आतंक अत्याचार जिले में चलता रहेगा।

दो बच्चों के साथ गायब विवाहिता को खोजने के लिए पुलिस मांग रही पैसा

कड़ा कौशांबी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के रूप नारायणपुर गोरियों गांव की एक विवाहिता अपने दो बच्चों के साथ 15 दिन पूर्व अचानक गायब हो गई है पुलिस की जांच में उसका लोकेशन पानीपत मिल रहा है घर से बेटे बेटी के साथ गायब होने वाली विवाहिता घर में रखा नगद रुपए सोने चांदी के जेवर सहित लगभग 5 लाख रुपए का सामान भी उठा ले गई है विवाहिता का पति रोजी-रोटी के चलते मुम्बई में रहता था मामले की जानकारी जब उसके पति को लगी तो उसने मामले की सूचना सैनी कोतवाली पुलिस को दिया है कोतवाली पुलिस ने मामले में मुकदमा अपराध संख्या 396 सन 2025 गम्भीर धाराओं में दर्ज कर लिया है विवाहिता के पति का कहना है कि वह विवाहिता और बच्चों को खोजते खोजते संभावित स्थान पर पहुंच गया जहां आरोपी युवक और उसके परिवार के लोगों ने उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया है विवाहिता और बच्चों को वापस नहीं भेजा है इस संबंध में जब विवाहिता का पति चौकी इंचार्ज सिराथू से मिला और विवाहिता और बच्चों को खोजने की गुहार लगाई तो चौकी इंचार्ज ने कहा कि आने-जाने का खर्चा लगेगा होटल में रहने का खाना खर्चा लगेगा चार पहिया गाड़ी की बुकिंग का खर्चा होटल में रहने खाने का खर्चा दे दो तब चलेंगे जब विवाहिता के पति ने पूछा कि खोजने में कितना खर्चा लगेगा तो चौकी इंचार्ज का कहना है कि 30000 रुपए लगभग खर्च आएगा और खर्च का प्रबंध कर दो तब फिर विवाहिता को खोजने चलेंगे विवाहिता का पति पुलिस को खर्चा देने की स्थिति में नहीं है जिससे बच्चे और विवाहिता को खोजने के लिए पुलिस तैयार नहीं है विवाहिता और बच्चों के न मिलने से उसका पति परेशान दिखाई पड़ रहा है बताया जाता है कि विवाहिता अपने साथ 17 वर्ष की बेटी और 9 वर्ष के बेटे को साथ लेकर गई है धीरे-धीरे घटना को 15 दिन बीत गए हैं लेकिन विवाहिता को पुलिस नहीं खोज सकी है और इस मामले में चौकी इंचार्ज की भूमिका पर भी तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने पुलिस अधिकारियों को सूचित किया जिस पर पुलिस अधिकारियों ने सीओ सिराथू को निर्देशित करते हुए विवाहिता और उसके बच्चों को बरामद करने का निर्देश दिया है।

सूने पड़े घर से नगदी आभूषण सहित लाखों उठा ले गए चोर

रिस्तेदार के शादी समारोह में शामिल हो गए थे परिजन

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के मूरतगंज कस्बे के डाक बंगला के पास मक्खन लाल के सूने घर से बेखौफ चोरों ने जेवर नगदी सहित लाखों का सामान बटोर कर फरार हो गए हैं सूने पड़े घर में चोरों ने जमकर उत्पात मचाया ,चोरों ने घर के अंदर आलमारी और बक्सा के ताले तोड़कर नगदी,गहने सहित लाखो की चोरी की है,घर वापस लौटे परिवार ने आलमारी और बक्से के ताले टूटे और खुले देखे तो उनके होश उड़ गए,पीड़ित ने इसकी शिकायत संदीपन घाट थाना पुलिस से की गई है। सभी परिजन शादी समारोह में शामिल होने चले गए थे घर पर कोई भी मौजूद नहीं था। बीती रात को अज्ञात चोरों ने घर के मैन गेट का ताला तोड़ कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है पीड़ित मक्खन लाल प्रयागराज में पीएसी में तैनात है बताया कि परिवार सहित शादी में गये थे,आलमारी और बक्से में नगदी सहित लाखों का सामान चोर चोरी कर ले गए।चोरी की घटना की सूचना पर पहुंची मूरतगंज चौकी पुलिस ने जांच पड़ताल की और इलेक्ट्रानिक साक्ष्य के आधार पर चोरों की तलाश में जुटी हुई है।

परियोजना प्रबन्धक सेतु निगम से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के डीएम ने दिए निर्देश

जिलाधिकारी ने चक गुलाम आलम कछार कौशाम्बी-ताड़ी मुस्तकिल, चित्रकूट मार्ग को जोड़ने के लिए यमुना नदी पर निर्माणाधीन सेतु के निर्माण कार्य की प्रगति का लिया जायजा

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज चक गुलाम आलम कछार (गढ़वा) कौशाम्बी-ताड़ी मुस्तकिल, चित्रकूट मार्ग को जोड़ने के लिए यमुना नदी पर निमार्णाधीन सेतु, पहुँच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्यों के निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण कर जायजा लिया जिलाधिकारी द्वारा परियोजना प्रबन्धक,सेतु निगम से परियोजना की आरम्भ तिथि एवं कार्य पूर्ण होने की तिथि आदि की जानकारी प्राप्त करने पर बताया गया कि परियोजना के पूर्ण होने की निर्धारित समयावधि माह-जून 2025 तक थी। उन्होंने निर्माण कार्य लम्बित पाये जाने के बावजूद भी अनुबन्धित फर्म के विरूद्ध जुमार्ना आदि कार्यवाही न किए जाने एवं निर्माण कार्य की प्रगति का नियमित अनुश्रवण न किए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए परियोजना प्रबन्धक,सेतु निगम से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना प्रबन्धक, सेतु निगम को और लेबर बढ़ाकर गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य में तेजी लाकर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

डीएम ने राम वनगमन मार्ग एवं प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग के निर्माण कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने आज कार्यालय कक्ष में राम वनगमन मार्ग, प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग, एन.एच.ए.आई. एवं पीएमजीएसवाई के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की जिलाधिकारी ने राम वनगमन मार्ग के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता से कहा कि सम्बन्धित उप जिलाधिकारी से समन्वय कर आ रही समस्याओं का निस्तारण कराते हुए गुणवत्ता के साथ निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराया जाय। उन्होंने प्रयागराज एयरपोर्ट-कौशाम्बी मार्ग के निर्माण कार्य के प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता लो.नि.वि. निर्माण खण्ड से कहा कि सम्बन्धित उप जिलाधिकारी से समन्वय कर आ रही समस्याओं का निस्तारण कराते हुए निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ तेजी से पूर्ण कराया जाय। उन्होंने पी.एम.जी.एस.वाई. के निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के दौरान निर्माण कार्य में अपेक्षित प्रगति न पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए सहायक अभियंता से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने राजकीय पशु चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने राजकीय पशु चिकित्सालय, कनैली का आकस्मिक निरीक्षण किया।जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान पशु चिकित्साधिकारी डॉ. पूजा पाण्डेय से दवाओं की उपलब्धता आदि जानकारी प्राप्त की, जिस पर बताया गया कि दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता है। अस्पताल की साफ-सफाई की स्थिति एवं अभिलेखों/पंजिकाओं का रख-रखाव ठीक पाया गया।

विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण किये गए वितरित

कौशांबी। जिला पंचायत अध्यक्षा कल्पना सोनकर एवं भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य की अध्यक्षता में आज सरस हॉल, विकास भवन में ह्यह्यविश्व दिव्यांग दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि शारीरिक अक्षमता किसी के विकास में बाधक नहीं बल्कि लगन, मेहनत और कठिन परिश्रम के दम पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने दिव्यांगजनों को दिव्यांग नाम उनकी शक्ति, समर्पण और योग्यता को देखकर ही दिया। राष्ट्र निर्माण में आज दिव्यांगजन भी अपना बहुमूल्य योगदान दे रहें हैं। मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी ने कहा कि शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज को भी आगे आने की जरूरत है, जिससे दिव्यांगजनों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ा जा सकें। कार्यक्रम में 05 दिव्यांगजनों को स्मार्टकेन, 42 मानसिक दिव्यांग बच्चों को एम0आर0किट एवं 25 दिव्यांग बच्चों को कान की मशीन का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विकास वर्मा, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी एवं जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सहित अन्य सम्बन्धित लोग उपस्थित रहें।

पुलिस से हुई मुठभेड़ एक घायल दूसरे को दौड़ा कर पुलिस ने पकड़ा

कौशांबी। करारी थाना पुलिस वा एसओजी प्रभारी ने मंगलवार की देर रात 25000 के इनामिया को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है वांछित अभियुक्तों की पुलिस टीम को कई दिनों से तलाश थी गैर जनपद में भी मुकदमे दर्ज थे चोरी की मोटर साइकिल के साथ पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है अर्का चौराहा से दरियापुर अहिरारा की तरफ इनामिया आ रहे थे सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी किया पुलिस पर फायरिंग कर दिया पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक को पैर में गोली लगी है घायल को पुलिस ने गिरफ्तार किया तो, दूसरे को दौड़ा कर पुलिस ने पकड़ लिया है कुलदीप पुत्र किशन लाल इनामिया और मिथुन पुत्र वीरेंद्र निवासी मंदर पूरामुफ्ती प्रयागराज के रूप में पहचान हुई है।

दिल्ली में वोट चोर गद्दी छोड़ की 14 दिसम्बर की रैली में बड़ी संख्या में जाएंगे कार्यकर्ता : गौरव पाण्डेय

कौशांबी। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय केंद्रीय मंझनपुर में बुधवार को एसआई आर से परेशान जनता और पुनः संगठन निर्माण को लेकर समीक्षा बैठक की गई समीक्षा बैठक में बोलते हुए जिला अध्यक्ष गौरव पाण्डेय ने कहा की जनवरी माह में संगठन का पुनः निर्माण किया जाएगा जिसमें जो भी निष्क्रिय पदाधिकारी हैं उनको पद मुक्त किया जाएगा एवं नए कार्यकताओं को जिम्मेदारी दी जाएगी की जिला कांग्रेस कमेटी कौशांबी में एक विस्तृत संगठन का निर्माण किया जाएगा एसआई आर को लेकर जिला अध्यक्ष ने कहा जिस प्रकार से सरकार माइनॉरिटी एवं पिछड़ा वर्ग के वोट को काट रहे हैं यह बहुत ही दुखद है क्या वह इस देश के नागरिक नहीं है इस पर सरकार को विचार करना चाहिए और लोकतांत्रिक देश में इस तरह की गलत नीतियों का में विरोध करता हूं। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष नैयर रिजवी ने कहा सरकार का यह दोहरा चरित्र है जिस प्रकार से एसआई आर के माध्यम से माइनॉरिटी वर्ग का वोट काटा जा रहा है वह बहुत ही गलत है कांग्रेस पार्टी हरदम से तभी वर्ग एवं समुदाय को एक साथ लेकर चलने का काम की है इस तरह की लोकतंत्र की हत्या कांग्रेस पार्टी नहीं होने देगी हम सभी लोग इसका पुरजोत तरीके से विरोध करेंगे !निवर्तमान प्रदेश सचिव एवं जिला कोऑर्डिनेटर राजेश साहनी ने कहा वोट छोड़ गद्दी छोड़ दिल्ली में जननायक राहुल गांधी जी के द्वारा 14 दिसम्बर को रैली की जा रही है जिसमें कौशांबी जिले से अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ता एवं आम जनमानस दिल्ली पहुंचेंगे वह सरकार की गलत नीति के खिलाफ पुरजोर तरीके से आवाज उठाएंगे ! इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष राम सूरत रैदास ने सरकार पर निशाना चाहते हुए कहा की सरकार दलित व पिछड़ा की विरोधी सरकार है यह दलित को नीचे दिखाना चाहती है वह 5 किलो राशन देकर उनके वोट का दुरुपयोग कर रही है जिस दलित समुदाय जाग चुका है वह इस तरह की गलत नीतियों का विरोध करता है !दलित समुदाय इसका विरोध करेगा। समीक्षा बैठक में प्रदेश सचिव राजेश साहनी, ज़िला उपाध्यक्ष मोहम्मद अकरम, राम सूरत रैदास, पूर्व प्रदेश सचिव, राम बहादुर त्रिपाठी, महासचिव नैयर रिजवी, शशि मिश्रा बेरौंचा, ज़िला सचिव हेमन रावत , तबरेज अहमद,नगर अध्यक्ष करारी सकील अब्बास, नगर अध्यक्ष भरवारी, विन्देश्वरी प्रसाद, सेवादल उपाध्यक्ष, अफकार अहमद , ब्लॉक अध्यक्ष नेवादा रावेन्द्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष मंझनपुर, प्रदीप सिंह पटेल, ब्लॉक अध्यक्ष सिराथू, राम प्रकाश पडा , नगर महासचिव मंझपुर, नौसे आलम , मोहम्मद फहीम, मोहम्मद आकिब, मोहम्मद नईम,फरहत कुरैशी, बाबूलाल, छोटे लाल, रामदास, इंद्रपाल सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

दिव्यांग दिवस पर दीपमाला जन कल्याण सेवा संस्थान में धूमधाम से हुए कार्यक्रम

तिल्हापुर मोड़ कौशाम्बी चायल तहसील क्षेत्र के पेरई तिल्हापुर मोड़ स्थित दीपमाला जन कल्याण सेवा संस्थान में बुधवार को दिव्यांग दिवस बड़े ही धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी चायल अरुण कुमार रहे। उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दिव्यांग बच्चों के लिए भोजन, देखभाल और शिक्षा जैसी सेवाएँ प्रदान करना अत्यंत पुण्य का कार्य है। ऐसी संस्थाएँ समाज में मानवीयता की मिसाल प्रस्तुत करती हैं।कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की गईं। संस्था के संचालक ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और उन्हें संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रबंधक कश्मीरी कौर, सुभाष केसरवानी, मदन कुमार केशरवानी, अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार, ओम प्रकाश सोनी, प्रधानाचार्य अजय कुमार तिवारी, प्रेमा देवी, सीमा देवी, पूजा पाल, रमेश कुमार, मालती, मोहित सोनी, रामप्रकाश साहू सहित सभी पदाधिकारी एवं शिक्षिकाएँ मौजूद रहीं। दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर खुशी देखते ही बन रही थी। संस्थान की टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विधवा बेसहारा महिला की जमीन पर जेठ कर रहा कब्जा

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के देवखरपुर ग्राम पंचायत तहसील सिराथू की विधवा महिला कलावती पत्नी मृतक दीनदयाल की जमीन पर उसके जेठ मिथिलेश बल पूर्वक कब्जा कर रहे हैं विधवा कलावती की जमीन को जेठ मिथिलेश ने गुनगार वर्मा को बेचकर लाखों की रकम ले ली है और जब जमीन का बैनामा नहीं हुआ तो 100 रुपए के स्टांप में विक्रय पत्र लिख दिया और 100 रुपए के स्टांप में विक्रय पत्र लेने के बाद गुनगार वर्मा विधवा महिला की जमीन कब्जा कर रहा है महिला की कही सुनवाई नहीं हो रही है मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं बालिकाओं को जागरूक करने उनको अधिकार दिलाने की बात रोज पुलिस कर रही है लेकिन पुलिस का यह अभियान केवल ड्रामेबाजी तक दिखाई पड़ रहा है पीड़ित विधवा महिला ने मंगलवार को जिला अधिकारी पुलिस अधीक्षक सहित मुख्यमंत्री को आइजीआरएस पोर्टल के जरिए शिकायत भेज कर न्याय दिलाने की मांग की है। अधिकारियों को दिए शिकायती प्रार्थना पत्र में विधवा महिला कलावती मौर्या पत्नी दीनदयाल मौर्य ने बताया कि पति की मौत के बाद पति के हिस्से पर कब्जा है लेकिन ससुर पंचम लाल का स्वास्थ्य खराब रहता है और वह बीमार रहते हैं जिससे ससुर का मानसिक संतुलन भी पूरी तरह से ठीक नहीं रहता महिला ने बताया कि ससुर पंचम लाल ने गांव के लोगों के बीच अपने दोनों बेटों को जमीन का हिस्सा बंटवारा मौखिक कर दिया है ससुर की आधी संपत्ति पर विधवा को हिस्सा बंटवारा मिला है लेकिन ससुर पंचम लाल का बड़ा बेटे विधवा के जेठ मिथिलेश कुमार की नीयत महिला के पति के मरने के बाद संपत्ति पर खराब हो गई मिथलेश अपने हिस्से के साथ विधवा के हिस्से की भी पूरी जमीन पर कब्जा का प्रयास कर रहा है महिला के बीमार ससुर के जरिए जमीन का बैनामा भी गलत तरीके से करवा रहे हैं 100 रुपए के स्टांप में लिखापढ़ी करवा करके महिला के ससुर की संपत्ति को मिथलेश बेच कर रकम वसूल रहा हैं मिथलेश स्टांप की चोरी भी कर रहे है पीड़ित महिला ने बताया कि ससुर की कई जमीन को बेच करके मिथिलेश ने लाखों की रकम ले लिया और ससुर पंचम लाल की संपत्ति में जो जमीन महिला के हिस्से में मिली है उस जमीन में बीते एक सप्ताह से गांव के गुनगार वर्मा मकान का निर्माण कर रहा है वह पिलर का निर्माण कर चुका है रोकने पर गुनगार वर्मा गाली गलौज करता है मारपीट का प्रयास करता है पीड़ित ने कहा कि ससुर ने गुनगार वर्मा को ना तो जमीन बेचा है और ना ही ससुर ने किसी प्रकार का उसे बैनामा किया है जेठ मिथिलेश की हेरा फेरी साजिश से महिला की जमीन को दबंगों के कब्जे से बचाए जाने की गुहार महिला ने लगाई है महिला के हिस्से की जमीन पर मिथिलेश वा गुनगार वर्मा वा उसके लोगों द्वारा किए जा रहे कब्जे को रोकने और बिना किसी कानूनी प्रक्रिया को पूर्ण किए महिला के हिस्से की जमीन पर निर्माण करने वाले गुनगार वर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करके इसकी गिरफ्तारी कराए जाने की मांग शासन प्रशासन से की गई है।

गड्ढे की जमीन में बनाई जा रही राशन गोदाम के निर्माण पर रोक लगाए जाने की ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

गड्ढे में राशन गोदाम बनाने के बाद सैकड़ो घरों का पानी नहीं निकलेगा गोदाम वा ग्रामीणों के ध्वस्त होगे मकान

गड्ढे में राशन गोदाम बनाए जाने के बाद यदि ध्वस्त हुआ तो किसकी जवाब देगी होगी तय

कौशांबी। चायल तहसील के ब्लाक नेवादा अंतर्गत बरियावा गांव में गड्ढे की जमीन पर राशन गोदाम बनाए जाने की प्रक्रिया शुरू है जिस पर तमाम ग्रामीण जिला अधिकारी कार्यालय पहुंचे हैं और ग्राम प्रधान पंचायत सचिव के कारनामे को बताते हुए गड्ढे की भूमि पर राशन गोदाम बनाए जाने के निर्माण पर रोक लगाए जाने की मांग की है ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कोटे की दुकान के लिए गोदाम निर्माण का प्रस्ताव हुआ है लेकिन गोदाम का निर्माण ग्राम प्रधान अपने स्वार्थ के चलते गलत स्थान पर निर्माण करना चाहता है जिससे गांव के लोगों को राशन लेने में तमाम दिक्कत से जूझना पड़ेगा लोगो ने कहा कि जलमग्न गड्ढे में राशन गोदाम बनाकर प्रधान मनमानी करना चाहता है गड्ढे में राशन गोदाम बनाने के बाद सैकड़ो घरों का पानी नहीं निकलेगा और पानी भर जाने से गोदाम वा ग्रामीणों के मकान ध्वस्त होने की संभावना है ग्राम प्रधान की मनमानी से बंजर भूमि संख्या 122 भूमि पर राशन की गोदाम बना दी जाएगी तो राशन की गोदाम में पानी भर जाने से उसके ध्वस्त होने की प्रबल संभावना है। गौरतलब है कि नेवादा विकासखंड के ग्राम पंचायत बरियावा में राशन की गोदाम बनाए जाने का प्रस्ताव शासन से मंजूर हो गया है जिस पर राशन गोदाम बनाए जाने के लिए प्रधान ने ईट रखकर काम शुरू करने जा रहा है लेकिन राशन की गोदाम बनाए जाने में भी ग्राम प्रधान और उनके पति की मनमानी तेजी से शुरू है जबकि ग्राम प्रधान की मनमानी पर विरोध लेखपाल कर रहा है बीते 3 महीने से तालाब की जमीन में राशन गोदाम बनाने को रोका गया था लेकिन अब उसी तालाब की जमीन पर राशन गोदाम बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है प्रधान की मनमानी के आगे लेखपाल की भी नहीं चल रही है राशन गोदाम बनाने के लिए 122 नंबर बंजर भूमि को ग्राम प्रधान ने चिन्हित किया है जबकि इस जमीन में पहले से कई लोगों का मकान बना है यादव बस्ती के सैकड़ो घर का पानी इसी गड्ढा रूपी बंजर भूमि में बहता है जिससे आराजी संख्या 122 पानी से भरी रहती है जिससे गांव में बाढ़ नहीं आती और बंजर भूमि संख्या 122 भूमि पर राशन की गोदाम बना दी जाएगी तो राशन की गोदाम में पानी भर जाने से उसके ध्वस्त होने और सरकारी राशन के खराब होने की प्रबल संभावना है और तालाब रूपी गड्ढे में राशन गोदाम बनाए जाने के बाद यदि राशन गोदाम ध्वस्त हो गया तो जहां निर्माण में लगाई गई लाखों की सरकारी रकम बर्बाद होगी वही सरकार का लाखों का राशन खराब हो जाएगा लेकिन इस गंभीर बिंदु में ग्राम प्रधान की सोचने समझने की क्षमता खत्म हो गई है इतना ही नहीं जलमग्न गड्ढे में राशन गोदाम बनने के बाद सैकड़ो घरों का पानी नहीं निकल पाएगा जिससे बारिश के दिनों में सैकड़ो घर के चारों ओर पानी भरेगा और गांव में बाढ़ आएगी गरीबों के घर गिरेंगे जिससे आपदा तैयार होगी और पानी भर जाने से मकान गिरने के बाद निर्दोष लोगों के ऊपर मुसीबत का पहाड़ टूट पड़ेगा गरीबों का हिमायती बनने वाले ग्राम प्रधान को गरीबों के दुख दर्द से कोई मतलब नहीं समझ में आ रहा है वह तो जलमग्न गड्ढे में राशन गोदाम बनाकर कमीशन लेने के लालच में अपने निजी स्वार्थ में लगा हुआ है लेकिन इतने गंभीर समस्या के बाद भी ग्राम प्रधान बंजर भूमि 122 नंबर में राशन गोदाम बनवाने के लिए जिद पर अड़ा हुआ है। लोगों ने बताया कि गांव के कोटेदार के घर के पास बंजर आबादी की जमीन संख्या 25 और 26 पड़ी हुई है जिसके बगल में पहले से कूड़ा घर बनाया गया था हालांकि घटिया निर्माण के चलते कूड़ा घर ध्वस्त हो चुका है और यह प्रधान के कमीशन खोरी का भेट चढ़ चुका है कूड़ा घर बनाए जाने के बाद भी उसके बगल में सरकारी जमीन शेष पड़ी है आराजी संख्या 25 वा 26 नंबर जमीन में राशन गोदाम का निर्माण किए जाने का समर्थन गांव के तमाम लोग कर रहे हैं क्योंकि इसी के बगल में पूर्व से कोटा संचालित हो रहा है आराजी संख्या 25 और 26 में यदि राशन गोदाम का निर्माण कर दिया जाए तो ग्रामीणों को भी राशन लेने में दिक्कत नहीं होगी और आराजी नंबर 25 वा 26 की जमीन में राशन गोदाम बनने के बाद गोदाम ध्वस्त होने की संभावना नहीं होगी इस जमीन पर राशन गोदाम बनाने के लिए लेखपाल ने सहमत भी दे दी है लेकिन बंजर आबादी की जमीन में ग्राम प्रधान की नियत खराब है और आबादी की जमीन पर लोगों को कब्जा करवा करके वह धन वसूली के जुगाड़ में लगा है जिससे आबादी बंजर की जमीन में राशन गोदाम बनाने को ग्राम प्रधान और उसका पति कतई तैयार नहीं है और ग्राम प्रधान जलमग्न बंजर आराजी संख्या 122 जमीन में राशन गोदाम बनाने के लिए अधिकारियों को भी गुमराह कर रहा है जब जिस गड्ढा रूपी जमीन में पानी भर जाता है और गड्ढे में बनाया गया भवन बरसात में ध्वस्त हो सकता है अब निर्णय अधिकारियों को करना है कि गड्ढे में 122 नंबर जमीन में राशन गोदाम बनाया जाएगा जिसमें भविष्य में गोदाम ध्वस्त होने की प्रबल संभावना बनी है या फिर आबादी बंजर की आराजी संख्या 25 वा 26 में राशन गोदाम बना करके मजबूत भवन राशन गोदाम का खड़ा किया जाएगा आराजी नंबर 25 और 26 में राशन गोदाम बनाया जाए।

सम्पादकीय

एसआईआर की समय सीमा में संशोधन

देश के 12 राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम यानी एसआईआर की समय सीमा एक सप्ताह के लिए बढ़ा दी गई है। पहले निर्वाचन आयोग ने इसके लिए अंतिम तारीख 4 दिसम्बर रखी थी, लेकिन अब 11 दिसम्बर तक प्रक्रिया चलेगी। आयोग ने रविवार 30 नवंबर को तीन-पेज के आदेश में यह घोषणा की है। संशोधित कार्यक्रम के मुताबिक अब गणना अवधि 4 दिसम्बर की बजाय 11 दिसम्बर को समाप्त होगी। मसौदा सूची का प्रकाशन 9 की जगह 16 दिसम्बर को होगा और अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 14 फरवरी को किया जाएगा।

गौरतलब है कि विपक्ष शुरू से इस सवाल को उठा रहा है कि एसआईआर करवाने की इतनी हड़बड़ी क्यों है। अगर आयोग ने इसे पूरे देश में करवाने का फैसला लिया भी है तो इसके लिए पर्याप्त मानव संसाधन, प्रशिक्षण और वक्त लिया जाना चाहिए। चंद दिनों में इतनी गहन प्रक्रिया को यूं निपटाया नहीं जा सकता। विपक्ष की यह आपत्ति तब और महत्वपूर्ण हो गई जब बूथ स्तर के अधिकारियों पर अत्यधिक दबाव के कारण यह प्रक्रिया जानलेवा तक बन गई। बीएलओ को कम समय में घर-घर जाकर इस बड़े काम को पूरा करने के लिए भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है, यह कटु सत्य है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से बीएलओ द्वारा आत्महत्या से मौतें भी सामने आई हैं।

गौरतलब है कि ज्यादातर बीएलओ स्कूल शिक्षक या सरकारी कर्मचारी हैं। एक बीएलओ को औसतन हजार से बारह सौ मतदाताओं तक पहुंचना पड़ रहा है। घर-घर जाकर फॉर्म बांटना, इका करना और फिर उनका डिजिटाइजेशन करना दुसाध्य और लंबी प्रक्रिया है, जिसे पूरा करते-करते बीएलओ का दैनंदिन जीवन प्रभावित हो रहा है। बहुत से बीएलओ इस वजह से बीमार पड़ चुके हैं, किसी-किसी की मौत पर उनके परिजनों ने एसआईआर के दबाव को ही जिम्मेदार ठहराया है। कई जगहों पर आरोप है कि लक्ष्य पूरा न करने पर बीएलओ को नौकरी से निकालने, वेतन काटने या प्राथमिकी दर्ज करने की धमकियां भी मिली हैं। बंगाल में खुदकुशी करने वाली बीएलओ रिंकू तरफदार ने लिखा था कि उन्हें तकनीकी प्रशिक्षण नहीं मिला। पुरानी वेबसाइट से डेटा नहीं मिला। ऑनलाइन फॉर्म जटिल प्रक्रिया है। ऐसे कुछ और प्रकरण भी सामने आए हैं। इन वजहों से प.बंगाल में तो चुनाव आयुक्त कार्यालय के बाहर धरना देने तक की नौबत आ गई। ये सामान्य घटनाएं नहीं हैं, क्योंकि एक संवैधानिक प्रक्रिया को असामान्य तरीके से लागू किया गया है। विपक्ष का कहना है कि 2003 में भी एसआईआर हुआ था, लेकिन तब ऐसी कोई घटना नहीं हुई। अब हो रही है, तो जाहिर है व्यवस्था में कोई खामी है। विपक्ष लगातार इसे टालने या ज्यादा समय की मांग कर रहा था। अब इस पर चुनाव आयोग ने एक सप्ताह बढ़ाया है। आयोग ने समय सीमा बढ़ाने का बचाव करते हुए कहा कि यह विस्तार चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं की मसौदा सूची प्रकाशित करने के लिए अतिरिक्त समय देने के लिए किया गया है।

संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

-ललित गर्ग-

भारत की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई

महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए।

सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है।

इस सत्र से सरकार 14 महत्त्वपूर्ण विधेयक पेश करने जा रही है। इन विधेयकों को पारित करवाना मात्र सरकार की जिम्मेदारी नहीं है; यह विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी भूमिका है कि वह रचनात्मक सुझाव दे, आवश्यक संशोधन का आग्रह करे और राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए संवाद के माध्यम से कानूनों को दिशा दे। लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों दो पहिये हैं, एक पहिया चिटक जाए तो रथ आगे नहीं बढ़ता। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद में एक नई लकीर खींची जाए-शालीनता की, संवैधानिक मयार्दाओं की, तर्कसंगत बहस की और राष्ट्रीय हित की। दुनिया भर के लोकतंत्रों में बहसें गरम होती हैं, लेकिन गरिमा नहीं टूटती। भारत में भी यह संस्कृति विकसित होनी चाहिए। विपक्ष का काम सरकार को कठघरे में खड़ा करना है, लेकिन वह हंगामे से नहीं बल्कि तथ्यपूर्ण तर्कों से हो। सवाल उठाने का अधिकार तभी सार्थक है जब उसके साथ उत्तर सुनने की तैयारी भी हो। पिछले कुछ सत्रों में यह प्रवृत्ति बढ़ी है कि विपक्ष प्रश्न पूछता है लेकिन उत्तर सुनने का अवसर ही नहीं देता। यह लोकतंत्र की आत्मा का हनन है। संसद सिर्फ आवाज बुलंद करने का मंच नहीं, वह सुनने, समझने और समाधान खोजने का माध्यम है। दुर्भाग्य से, पिछले कुछ वर्षों में यह मंच पक्ष और विपक्ष की राजनीतिक लड़ाइयों का अखाड़ा बनता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं कि सरकार को भी विपक्ष के सवालों का सम्मानपूर्वक जवाब देना चाहिए, लेकिन विपक्ष को भी यह समझना होगा कि राजनीति निरंतर संघर्ष का नाम नहीं बल्कि संवाद की प्रक्रिया है। देश की जनता बेहद उम्मीदों के साथ इस सत्र को देख रही है। महंगाई, रोजगार, सुरक्षा, विदेश नीति, सामाजिक सौहार्द, अर्थव्यवस्था, कृषि, शिक्षा और न्याय-ये सभी गंभीर मुद्दे हैं। जनता चाहती है कि उसके चुने हुए प्रतिनिधि इन मुद्दों पर ठोस बहस करें। यदि संसद हंगामों का अखाड़ा बन जाए, तो इन मुद्दों का समाधान कैसे निकलेगा? लोकतंत्र का वास्तविक मूल्य कानून में नहीं बल्कि उसके निर्बाध संचालन में है; यदि संचालन त्रुटिपूर्ण हो जाए, तो कानून भी अर्थहीन हो जाता है। संसद की गरिमा देश की गरिमा है। सांसद केवल राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा के वाहक हैं। उनकी भाषा, उनका आचरण और उनकी बहसें भविष्य की राजनीति का मार्ग तय करती हैं। यह चिंता का विषय है कि आज युवा पीढ़ी संसद के व्यवहार को लोकतंत्र का आदर्श नहीं, बल्कि अव्यवस्था का प्रतीक मानने लगी है।

सदन की मयार्दा केवल स्पीकर या सभापति पर निर्भर नहीं, बल्कि सभी सांसदों के संयम एवं शालीनता पर निर्भर है। सभापति का सम्मान करना, नियमों का पालन करना, विषय पर रहने वाली बहस करना और असहमति में भी सभ्यता-शालीनता बनाए रखना-ये संसदीय चरित्र के मूल तत्व हैं। इनका पालन ही संसद की शुचिता को बनाए रख सकता है। यदि सरकार बहुमत के अहंकार में विपक्ष की उपेक्षा करती है तो यह गलत है; लेकिन यदि विपक्ष अपनी रचनात्मक भूमिका छोड़कर केवल अवरोध बन जाए तो यह भी लोकतंत्र के साथ अन्याय है। संसद तभी सफल होगी जब दोनों तरफ का आचरण सकारात्मक हो। इस दृष्टि से शीतकालीन सत्र नई परंपराओं का प्रारंभ बनना ही चाहिए। इस बार के सत्र से यह अपेक्षा है कि यह एक सकारात्मक, शालीन और प्रगति का सत्र बने। यह केवल कानून पारित करने का सत्र न हो; यह संवाद का, सौहार्दपूर्ण वार्ता का, समस्याओं के समाधान का और राष्ट्रीय हित के नए संकल्प का सत्र हो। यदि इस बार पक्ष और विपक्ष मिलकर अनुशासन, मयार्दा और जिम्मेदारी की एक नई लकीर खींच दें, तो देश के लोकतांत्रिक इतिहास में यह सत्र मील का पत्थर बन सकता है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए प्रेरणा बन सकता है, बशर्ते संसद स्वयं अपने भीतर अनुशासन, शांति और संवाद की संस्कृति को स्थापित करे। यह सत्र उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन सकता है। देश आज यही उम्मीद कर रहा है कि जो सर्वदलीय बैठक शांति और सहमति से हुई, उसी भाव के साथ संसद का संचालन भी हो। यदि यह संभव हुआ तो यह केवल एक सत्र की सफलता नहीं होगी।

हत्यारा एसआइआर

राजेंद्र शर्मा

एक हफ्ते की इस "राहत" से अस्थायी रूप से इस काम में झोंके गए इन सरकारी स्कूलों के शिक्षकों, कच्चे सरकारी कर्मचारियों, आंगनवाड़ी आदि योजनाकर्मियों की आत्महत्या/ मौतों के इस सिलसिले में कितनी कमी आयेगी यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन इससे कम से कम इतना तो साफ हो ही जाता है कि एसआइआर के लिए चुनाव आयोग ने जिस तरह की अव्यावहारिक समय-सूची देश पर थोप दी है, वह एकदम मनमानी है। आखिरकार, चुनाव आयोग ने 12 राज्यों में जारी मतदाता सूचियों के विशेष सघन पुनरीक्षण या एसआइआर की समय सूची में एक हफ्ते की मोहलत दे दी है। गणना प्रपत्र भरकर अपलोड किए जाने की आखिरी तारीख, 4 दिसंबर से बढ़ाकर 11 दिसंबर कर दी गयी है और इसके बाद की सभी संबंधित तारीखें भी एक हफ्ता आगे खिसका दी गयी हैं। लेकिन, चुनाव आयोग ने अपने फैसले में इतनी सी ढील भी तब दी है, जब देश भर में विपक्ष तो चुनाव आयोग और उसकी पीठ पर हाथ रखे मोदी सरकार की इस मनमानी के खिलाफ शुरू से ही सभी माध्यमों से आवाज उठा ही रहा था और यहां तक कि संसद के चालू शीतकालीन सत्र में इस आवाज का प्रमुखता का सुनाई देना शुरू भी हो गया है, लेकिन इससे भी बढ़कर देश के विभिन्न हिस्सों से आ रहीं एसआइआर के काम में लगे बूथ लेवल आफीसर या बीएलओ की काम के असह्यद् दबाव और तनाव में मौतों और आत्महत्याओं की खबरों ने, चुनाव आयोग और मोदी सरकार को कुंभकर्णी नींद से जागकर कम से कम कर-वट लेने पर मजबूर कर दिया। चुनाव आयोग के एक हफ्ते की मोहलत देने के लिए तैयार होने तक ही, एसआइआर की इस कसरत में कम से कम तीस बीएलओ या उनसे उच्चतर अधिकारियों के प्राणों की भेंट चढ़ चुकी थी।

एक हफ्ते की इस "राहत" से अस्थायी रूप से इस काम में झोंके गए इन सरकारी स्कूलों के शिक्षकों, कच्चे सरकारी कर्मचारियों, आंगनवाड़ी आदि योजनाकर्मियों की आत्महत्या/ मौतों के इस सिलसिले में कितनी कमी आयेगी यह तो कहना मुश्किल है। लेकिन इससे कम से कम इतना तो साफ हो ही जाता है कि एसआइआर के लिए चुनाव आयोग ने जिस तरह की अव्यावहारिक समय-सूची देश पर थोप दी है, वह एकदम मनमानी है। और यह समय सूची इस अर्थ में पूरी तरह से अकारण भी है कि बिहार के बाद, अब जिन बारह राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों में एक साथ इस प्रक्रिया को चलाया जा रहा है, उनमें आधे से ज्यादा में जिनमें उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात जैसे अधिक आबादी वाले राज्य भी शामिल हैं, अगले साल भी कोई चुनाव नहीं होने हैं। यानी अगर मंशा यह हो कि अगले चुनाव से पहले इन राज्यों में मतदाता सूचियों का कथित

"शुद्धिकरण" कर लिया जाए, तब भी देश के बड़े हिस्से में और आबादी की विशाल संख्या पर इस तरह की कठोर समय सीमाएं थोपने का कोई कारण नहीं है। यहां तसल्ली से और अगर जरूरी हो तो पूरे साल का समय लेकर भी, इस काम को किया जा सकता है।

लेकिन, यह तर्क की और जिम्मेदारी की मांग है। और मोदी राज में फैसले लेने वालों को जनता के सामने जवाबदेही से लगभग पूरी तरह से मुक्त करने के जरिए, उन्हें तर्क और जिम्मेदारी से ही तो बरी किया गया है। यही बुनियादी सूत्र है जो मोदी के पहले कार्यकाल के पूर्वार्द्ध में की गयी नोटबंदी को, उसी के तीसरे कार्यकाल के पूर्वार्द्ध में चुनाव आयोग को आगे रखकर करायी जा रही एसआइआर की कसरत से जोड़ता है, जिसे बहुत से लोगों ने वोटबंदी कहना शुरू भी कर दिया है। बेशक, नोटबंदी और वोटबंदी में एक बड़ी समानता, इनके आम लोगों के लिए जानलेवा साबित होने की भी है। नोटबंदी में, बैंकों से अपने ही पैसे निकालने के लिए या बंद कराए जा रहे नोट बदलवाने के लिए, लाइनों में लगे-लगे या इस अकारण परेशानी से हैरान-परेशान होकर, करीब एक सौ चालीस लोगों की जान गयी थी। वोटबंदी भी, इसके दबाव में मौत के मुंह में समा गए बीएलओ के साथ, अगर इस कसरत से अधिकारहीन होने की दुश्चिंताओं से जान देने वालों को भी अगर जोड़ लिया जाए तो, अब तक चार दर्जन मौतों का स्कोर तो बना ही चुकी है।

बहरहाल, नोटबंदी और वोटबंदी में उससे भी बड़ी समानता, उनके ऐसे मनमाने फैसले होने में है, जिनके जरिए आम लोगों पर भारी परेशानी थोपी गयी है। यह तानाशाहीपूर्ण सत्ता का एक मनोरोग है, जिसमें किसी फैसले से जनता को जितनी ज्यादा तकलीफ झेलनी पड़े, उसे शासकों के उतने ही ज्यादा "साहसिक" होने का सबूत माना जाता है। नोटबंदी के समय सत्ताधारी संघ-भाजपा का प्रचारतंत्र, इसकी हिम्मत दिखाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की पीठ ठोकने में लगा हुआ था कि उन्होंने लोगों की नाराजगी की परवाह नहीं कर, इतना बड़ा कदम उठाया था; यह कदम उठाने की दूसरे किसी की हिम्मत ही नहीं पड़ती। यह दूसरी बात है कि इसमें भी अर्द्धसत्य का सहारा लेते हुए उन्होंने "बड़े-बड़ों को लाइनों में लगवा दिया" के दावे के साथ, आम लोगों की नाराजगी को इसके विकृत संतोष की ओर भटकाने की कोशिश की थी कि, यह कदम बड़े-बड़ों को उनके बराबर में ला खड़ा करने वाला कदम था। लेकिन, यह सरासर झूठ था, गरीबों के अलावा ज्यादा से ज्यादा मध्यवर्ग के खाते-पीते हिस्से ही लाइनों में लगे और उनमें भी गरीब तथा निम्न-मध्यवर्ग के लोग ही सबसे ज्यादा हलकान हुए, जबकि "बड़े-बड़ों" को वास्तव में लाइन में लगने की कोई जरूरत ही नहीं पड़ी। उनके लिए इतने रास्ते खुले हुए थे, जैसे नोटबंदी उनके लिए तो थी ही नहीं।

यही वोटबंदी में भी हो रहा है। बिहार में एसआइआर के समय में ही यह साफ हो गया था कि न सिर्फ इसके लिए चुनाव आयोग द्वारा थोपी गयी समय सीमाएं अव्यावहारिक थीं, यह समूची प्रक्रिया ही सामाजिक, शैक्षणिक, आर्थिक रूप से कमजोर तबकों, जिनमें महिलाएं तथा अल्पसंख्यक शामिल हैं, प्रतिकूल स्थिति में रखने वाली प्रक्रिया है। और यह किया गया है, गणना फार्म भरने से लेकर, अपने नागरिक होने के साक्ष्य के रूप में, 2003 की मतदाता सूची से संबंध से लेकर, नागरिकता साबित करने के लिए तरह-तरह के प्रमाण प्रस्तुत करने तक की, मांग करने के जरिए। बाद में सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, 12वें प्रमाण के रूप में आधार को स्वीकार किए जाने के बाद, आम लोगों की मुश्किलें कुछ कम तो हुईं और चुनाव आयोग की कैंची कुछ कम तो चली, पर बिहार के हाल के चुनाव से इस समूची प्रक्रिया की, अपने घोषित लक्ष्यों के हिसाब से निरर्थकता ठीक उसी तरह उजागर हो गयी, जैसे चलन से बाहर किए गए लगभग सारे नोट बैंकों में पहुंचने से, नोटबंदी की अपने सभी घोषित उद्देश्यों को हासिल करने में विफलता साबित हुई थी।

चुनाव के दिन जगह-जगह से ऐसे मतदाताओं की तस्वीरें मीडिया में आयीं, जिन्हें मतदाता सूची से नाम कट जाने के कारण बिना वोट डाले वापस लौटना पड़ा था। इसी तरह, ऐसे मतदाताओं की तस्वीरें भी ध्यान देने लायक संख्या में सामने आयीं, जिन्होंने कुछ ही पहले दूसरे राज्यों में वोट डालने के बाद, बिहार में वोट किया। और एसआइआर की पूरी प्रक्रिया के बाद कथित रूप से "स्वच्छ" हुईं मतदाता सूचियां वास्तव में कितनी स्वच्छ थीं, इसका पता बखूबी लाखों मतदाताओं के प्रकटतः झूठे नाम-पतों से और लाखों की संख्या में एकाधिक जगहों पर एक ही मतदाता के सूची में मौजूद होने से लगता था। और जब कथित रूप से स्वच्छ की जा रही मतदाता सूचियों की इस "अस्वच्छता" को आसानी से पकड़ कर दूर करने के, डुप्लीकेशन के खिलाफ सॉफ्टवेयर चुनाव आयोग के पास होने के बावजूद, उसका उपयोग कर नामों के डुप्लीकेशन का इलाज जरूरी नहीं समझा गया, इसने मतदाता सूचियों के कथित रूप से "स्वच्छ" किए जाने की मंशा पर ही सवाल खड़े कर दिए? यह मतदाता सूचियों को "स्वच्छ" करने की कसरत है या चुनाव आयोग की मिलीभगत से चली जा रही, सूचियों को खास दिशा में विकृत करने की चाल। साफ है कि आम जनता पर भारी तकलीफों का बोझ डाले जाने के बावजूद, यह कोई मतदाता सूचियों को स्वच्छ करने की कसरत नहीं है। यह सद्धाधारियों के पक्ष में बड़े पैमाने पर वोट चोरी का ही हथियार है। इस कसरत का यह दुरुपयोग, जो इसके पिछले दरवाजे से नागरिकता पहचान यानी एनआरसी होने के साथ जुड़ा हुआ है, इस कसरत की संरचना में ही निहित है; यह एक प्रकार से नये सिरे से सब से इसकी मांग करती है कि अपने नागरिक होने को प्रमाणित कर, मतदाता के रूप में खुद को रजिस्टर कराएं। एसआइआर को उसकी संरचना के ठीक इसी पहलू के आधार पर, जो कि चुनाव आयोग की अनाधिकार चेष्टद्दा है, सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गयी है, जिस पर अदालत अभी विचार कर रही है।

बहरहाल, इसके वोट चोरी का हथियार बनाए जाने की संभावनाओं को, खुद सत्ताधारी भाजपा के प. बंगाल के अध्यक्ष ने, इसके आरोप लगाकर उजागर कर दिया है कि उनके राज्य में इस प्रक्रिया को स्थानीय सत्ताधारी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस ने अपने लिए वोट चोरी का साधन बना लिया है। राज्य भाजपा अध्यक्ष का कहना है कि सत्ता में होने से तृणमूल कांग्रेस, जमीनी स्तर पर बीएलओ को नियंत्रित कर रही है और जिसका भी बीएलओ पर नियंत्रण होता है, वह इस प्रक्रिया को अपने पक्ष में मोड़ सकता है! हैरानी की बात नहीं है कि वही भाजपा जो बंगाल में एसआइआर में गड़बड़ियों का शोर मचा रही है, बाकी देश भर में एसआइआर को जनतंत्र की रक्षा के लिए अपरिहार्य बता रही है,

जैसे कभी नोटबंदी को बता रही थी। ये हत्यारा एसआइआर, आम लोगों से मताधिकार छीनने का ही हथियार है; जैनुइन मतदाताओं को छांटने के जरिए भी और फर्जी मतदाताओं को जोड़ने के जरिए भी।

आईएएस जैसे प्रतिष्ठित सेवा में भी दिव्यांग लोग कर रहे है बेहतर काम:जिलाधिकारी

अखंड भारत संदेश

भदोही । अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर आदर्श उच्च प्राथमिक विद्यालय, ज्ञानपुर डायट परिसर में जनपदस्तरीय दिव्यांग सांस्कृतिक एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तहसील स्तर के सभी विजेता दिव्यांग बच्चों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी शैलेष कुमार, प्राचार्य डाइट विकास चौधरी व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शिवम पांडेय ने मां सरस्वती के चित्र पर

माल्यार्पण एवं द्वीप उज्जवलित कर शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात खेल ध्वज को फहराया।

प्राथमिक विद्यालय घरावं एवं प्राथमिक विद्यालय उमरिया के बच्चों ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्राथमिक विद्यालय जेठूपुर के बच्चों ने पिरामिड ,उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रयागदासपुर के बच्चे ने साइन लैंग्वेज में एबीसीडी और 1 से 100 तक गिनती प्रस्तुत किया। दिव्यांग बच्चों ने एक से बढ़कर अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु जनपद न्यायाधीश की अध्यक्षता में हुई बैठक

अखंड भारत संदेश

भदोही । राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली व उ०प्र० राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेर्शानुसार माननीय जनपद न्यायाधीश के मार्गदर्शन में आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत 13 दिसंबर 2025 को आयोजित की जा रही है। जिसके परिप्रेक्ष्य में अखिलेश दूबे, माननीय जनपद न्यायाधीश /अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भदोही के निदेर्शानुपालन में राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु आनन्द मिश्रा सी०जे०एम० भदोही,

तरूणिमा पाण्डेय अपर सिविल जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भदोही, कुंवर वीरेन्द्र मौर्य अपर जिलाधिकारी/नोडल, पुलिस उपाधीक्षक प्रभात राय, सीओ यातायात,तहसीलदार औराई,ज्ञानपुर,भदोही, जिला सूचना अधिकारी डॉ पंकज कुमार की बैठक माननीय जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में आहूत हुयी, जिसमें आगामी 13 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाये जाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम हेतु पात्रता सत्यापन के संबंध में अपील एवं निर्देश

अखंड भारत संदेश

भदोही । जनपद में 05 दिसंबर 2025 को विकास खंडवार मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम की सुचारु एवं पारदर्शी व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने विकास खंडों में चयनित सभी जोड़ों की पात्रता की विस्तृत जाँच प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कर लें।साथ ही, सभी चयनित जोड़ों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्वयं भी अपनी पात्रता के संबंध में पूर्ण रूप से सुनिश्चित हों, ताकि किसी भी प्रकार की अपात्रता, कमी अथवा तथ्य छुपाने की स्थिति में कार्यक्रम के

दौरान असुविधा न हो और शासन की ओर से निर्धारित लाभों का प्रदान बिना किसी बाधा के किया जा सके। जिन बिंदुओं की जाँच विशेष रूप से आवश्यक है, उनमें–

आयु प्रमाणपत्र अविवाहित / विधवा / निराश्रित होने का प्रमाण दोनों पक्षों की सहमति आवश्यक पहचान पत्र पूर्व विवाह का कोई रिकॉर्ड न होना (जहाँ लागू)शासन द्वारा निर्धारित अन्य पात्रता शर्तें सभी खंड विकास अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे लाभार्थियों की सूची का सत्यापन, दस्तावेजों की जाँच तथा अंतिम अनुमोदन निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर लें।जनपद प्रशासन यह भी स्पष्ट करता है कि यदि कोई जोड़ा अपात्र पाया जाता है, तो उसे कार्यक्रम में सम्मिलित नहीं किया जाएगा। अतः सभी लाभार्थियों से अनुरोध है कि वे पूरी ईमानदारी के साथ अपने सभी दस्तावेज प्रस्तुत करें और पात्रता सुनिश्चित करें।जिलाधिकारी व मुख्य विकास अधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि कार्यक्रम को सफल, सुव्यवस्थित एवं पारदर्शी बनाने में प्रशासन का सहयोग करें।

गौशाला में पशु शवों के साथ अमानवीय क्रूरता उजागर, विरोध के साथ कार्रवाई की उठी मांग

- ट्रैक्टर से घसीटी गई मृत गायें
- गौशाला में गंभीर अनियमितताओं के आरोप
- प्रशासन को भेजा सबूतों सहित पत्र

अखंड भारत संदेश

ट्रैक्टर से घसीट कर ले जाते मृत गाय

चित्रकूट। ग्राम पंचायत कंधवनिया, ब्लॉक पहाड़ी की सरकारी गौशाला एक गंभीर और हृदय विदारक घटना के कारण लोगों के गुस्से और चिंता का केंद्र बन गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि गौशाला में गायों की अमानवीय मौतें हो रही हैं और मृत पशुओं के निस्तारण में ऐसा क्रूर व्यवहार अपनाया जा रहा है, जिसे देखकर किसी का भी मन व्यथित हो जाए। दिनांक 29 नवंबर को एक गाय की मृत्यु के बाद उसका शव सम्मानपूर्वक हटाने की जगह उसे ट्रैक्टर के पीछे बांधकर गांव की मुख्य सड़कों और खेतों से घसीटते हुए ले जाया गया। यह दृश्य न केवल अमानवीय था, बल्कि पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 का भी सीधा उल्लंघन बताया जा रहा है। स्थानीय निवासी सिद्धार्थ विक्रम सिंह संवेदनहीनता के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यह पहली बार नहीं, बल्कि लगातार कई दिनों से ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मृत गायों को सम्मान देने के बजाय उन्हें अपमानजनक तरीके से गांवभर में घसीटने से लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकताओं ने मांग की है कि इस पूरे मामले में निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच कराई जाए, दोषी कर्मचारियों एवं जिम्मेदार व्यक्तियों पर तत्काल कानूनी कार्रवाई हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों, इसके लिए कड़े प्रबंध किए जाएं। शिकायतकताओं ने मीडिया के माध्यम से जिलाधिकारी और सरकार से अनुरोध किया है कि इस मामले को गंभीरता से लेकर गौशाला व्यवस्था में सुधार सुनिश्चित किए जाएं।

कड़ाके की सर्दी में समाजसेवियों की पहल, जरूरतमंदों को मिला कंबल और भोजन

चित्रकूट। जिले में बढ़ती ठंड के बीच भगवान भजनाश्रम ने मानवीय सेवा की बड़ी पहल करते हुए लगभग 500 जरूरतमंदों को कंबल और खाद्य सामग्री वितरित की। कार्यक्रम की शुरूआत ग्राम चकला चकौंध से हुई, जहां सत्यम यादव और सुरेंद्र सिंह कछवाह ने अति गरीब, वृद्ध और दिव्यांगजन को कंबल देकर राहत पहुंचाई। इसके बाद पहाड़ी बुजुर्ग में राम भजन वर्मा ने ठंड से जूझ रहे ग्रामीणों तक गर्म कंबल पहुंचाए। ग्राम अरछा बरेठी के खैरी पुरवा नई दुनिया में समाजसेवी शंकर यादव के सहयोग से अन्य आवश्यक सामग्री भी बांटी गई। समाजसेवी केशव यादव ने कहा कि गरीबों की सेवा ही ईश्वर सेवा है, इसलिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। संस्था अध्यक्ष रामावतार यादव ने बताया कि आने वाले दिनों में मानिकपुर की आदिवासी बस्तियों में भी कंबल और अन्न वितरण होगा, जिसमें उप जिलाधिकारी मोहम्मद जसीम मुख्य अतिथि रहेंगे।

विकलांग दिवस पर कानूनी साक्षरता का संकल्प, चित्रकूट में कई मंचों पर हुई पहल

न्यायिक जागरूकता का अनोखा संदेश

चित्रकूट। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर चित्रकूट में बुधवार को धुस मैदान कर्वी एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहा था, जहाँ उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के अनुक्रम तथा जिला जज एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष शेषमणि शुक्ला के निर्देशन में सचिव श्रीमती वर्णिका शुक्ला ने विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि 3 दिसंबर विश्वभर में उन दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार, गरिमा और समान अवसरों की चर्चा का दिन है, जिन्हें अक्सर समाज अनदेखा कर देता है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में अनुमोदित यह दिवस हमें याद दिलाता है कि दिव्यांगजन केवल चुनौती नहीं, बल्कि समाज की सामर्थ्य का हिस्सा हैंकृजिन्होंने अपने साहस और प्रतिभा से बराबरी से योगदान देने की क्षमता साबित की है। इसी क्रम में वृद्धाश्रम विनायकपुर में भी शिविर आयोजित हुआ, जहाँ राष्ट्रीय दिव्यांगजन सहायता मिशन की योजनाओं, विशेषकर शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार से जुड़ी पहल को विस्तार से बताया गया। महिला और वृद्ध दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रमों के साथ स्वयंसेवी संगठनों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया। संदेश साफ था- दिव्यांगता को कमी नहीं, बल्कि संवेदनशील सामाजिक स्थिति के रूप में समझने की जरूरत है। इसी उद्देश्य से जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में पैरालीगल वॉलेंटियर्स और लीगल एड अधिवक्ताओं ने भी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

पुरानी बाजार बूथ पर मतदाता सत्यापन की पड़ताल, डीएम ने सुधार को दी चेतावनी

पुरानी बाजार में जांच करते डीएम

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जनपद में चल रहे गणना प्रपत्र एसआईआर अभियान की पड़ताल करते हुए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग बुधवार को भाग संख्या 412, राजश्री पुरुषोत्तम दास टंडन कंपोजिट विद्यालय, पुरानी बाजार पहुंचे। निरीक्षण के दौरान मौजूद बीएलओ से जिलाधिकारी ने उनके क्षेत्र में मृतक, सिप्टेड और अनुपस्थित मतदाताओं की अद्यतन स्थिति पूछी। बीएलओ ने बताया कि मृतक 28, सिप्टेड 78 और

त्वरित सुधार करने को कहा

अनुपस्थित 448- कुल 554 मतदाताओं की स्थिति लंबित है। इस पर जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी संदिग्ध एवं सत्यापन योग्य मतदाताओं की सूची अलग से सुरक्षित रखी जाए तथा स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों और बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठक कर वास्तविक स्थिति साझा की जाए। उन्होंने एएसडी मतदाताओं का रजिस्टर भी पृथक रखने का आदेश दिया। सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि बीएलओ को फॉर्म 6, 7 और 8 पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराए जाएं ताकि गलत प्रविष्टियों का संशोधन तेजी से हो सके। जिलाधिकारी ने कहा कि इस भाग संख्या में मतदाताओं की संख्या अधिक है और सत्यापन की स्थिति संतोषजनक नहीं है, इसलिए तुरंत सुधार कराया जाए। उन्होंने दो टूक कहा- न कोई मतदाता छूटे और न शिकायत की गुंजाइश बचे।

चित्रकूट में क्रिकेट का महासंग्राम, 14 दिसंबर तक चलेगी रोमांचक भिड़ंत

चित्रकूट। जिले में तीन दिसम्बर से क्रिकेट का रोमांच चरम पर रहेगा, क्योंकि राष्ट्रऋषि भारत रत्न नानाजी देशमुख की स्मृति में आयोजित होने वाला चित्रकूट चौलेंज कप- 2025 अपने 12वें संस्करण के साथ सोनेपुर स्थित जिला स्पोर्ट्स स्टेडियम में शुरू हो रहा है। दीनदयाल शोध संस्थान एवं चित्रकूट स्पोर्ट्स क्लब द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस नेशनल टूनार्मेंट में यूपी, एमपी, राजस्थान, बिहार और दिल्ली सहित कई राज्यों की टीमें उतरेंगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने बताया कि उद्घाटन समारोह में जिले के जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थिति दर्ज कराएंगे। पहला मुकाबला बांदा और रीवा की टीमों के बीच होगा, जबकि आगामी दिनों में बक्सर-मैहर, कानपुर-जबलपुर तथा जयपुर-ललितपुर के मुकाबले खेले जाएंगे। महिला वर्ग के मैच 11 और 12 दिसंबर को होंगे तथा महिला फाइनल 13 दिसंबर को। पुरुष फाइनल और समापन समारोह 14 दिसंबर को होगा। टूनार्मेंट में कमेंटेटर प्रेम यादव अपने अंदाज से दर्शकों को बांधे रखेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से उपस्थिति की अपील की है।

दिव्यांग बच्चों को सहारे से ज्यादा अवसरों की जरूरत है : वर्णिका शुक्ला

- अंतरराष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर बिखेरा जलवा
- प्रतिभा को मिली खुली उड़ान
- जिला प्रतियोगिता में दिखा उत्साह

अखंड भारत संदेश

जनपद स्तरीय प्रतियोगिता में बच्चों को सम्मानित करते अधिकारीगण

चित्रकूट। जिले में अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण दिवस के अवसर पर जनपदीय दिव्यांग बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता बड़े उत्साह और उल्लास के साथ संपन्न हुई, जिसमें पुरस्कार पाकर नन्हे बच्चे खिल उठे। दुश्मन मैदान में आयोजित इस खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव वर्णिका शुक्ला, खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शेखर शुक्ला और नगर शिक्षा अधिकारी प्रवीण दीक्षित ने दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती को नमन कर किया। कार्यक्रम की शुरूआत दिव्यांग बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई, जिसने पूरे माहौल को भावपूर्ण बना दिया। मुख्य अतिथियों ने पचास मीटर दौड़ को हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिताओं की शुरूआत कराई। इसके बाद कबड्डी, खो-खो, ब्रेल लेखन, छूकर पहचानो, कुर्सी दौड़ सहित कई खेलों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। सचिव वर्णिका शुक्ला ने कहा कि दिव्यांग बच्चों को सहारे से ज्यादा अवसरों की जरूरत है- समानता से बड़ा कोई अधिकार नहीं। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी शशांक शेखर शुक्ला ने बताया कि दिव्यांगता अभिशाप नहीं, बल्कि कई बच्चे कला, संस्कृति और खेल में नई पहचान बना रहे हैं। कार्यक्रम के अंत में बच्चों और अभिभावकों को नाश्ता वितरित किया गया और विजेताओं को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार दिए गए, जबकि सभी प्रतिभागियों को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। निर्णायक मंडल और स्पेशल एजुकेटरों की पूरी टीम पूरे समय बच्चों के साथ उत्साहपूर्वक मौजूद रही। बच्चे अपने साथ आत्मविश्वास की नई चमक लेकर घर लौटे।

लावारिस व्यक्तियों के लिए इलाज, सुरक्षा और पुनर्वास की संयुक्त कार्ययोजना तैयार

- निराश्रितों की सुरक्षा पर मंथन
- निराश्रित मिलने पर जिम्मेदार को दें सूचना

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को लावारिस, निराश्रित, मानसिक रूप से विक्षिप्त एवं दिव्यांग व्यक्तियों-पुरुष, महिला, बच्चे और वृद्धजन- की सुपुर्दगी तथा पुनर्वास पर अहम बैठक आयोजित हुई। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में सीएमओ डॉ भूपेश द्विवेदी, सभी एसडीएम, एएसपी, समाज कल्याण, प्रोबेशन, दिव्यांग सशक्तिकरण तथा बाल विकास विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। बैठक में तय हुआ कि सभी निराश्रित व दिव्यांग व्यक्तियों का उपचार जिला अस्पताल में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक और मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ नरेंद्र देव पटेल की देखरेख में होगा। दिव्यांग व्यक्तियों को जिला दिव्यांग सशक्तिकरण अधिकारी पुनर्वासित करेंगे, जबकि महिलाओं व बच्चों को प्रोबेशन विभाग और वृद्धजनों को समाज कल्याण विभाग वृद्धाश्रमों में संरक्षण देगा। बताया गया कि रामपुर, ब्लॉक रामनगर में मानसिक मंदिर नामक पुनर्वास केंद्र निमार्णाधीन है, जिसमें गंभीर मामलों को छोड़कर अन्य मानसिक मरीजों को रखा जाएगा।

चित्रकूट में अब गुरुवार बनेगा भवन मानचित्रों की आपत्तियों के निपटारे का दिन

चित्रकूट। जिला विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने भवन मानचित्र स्वीकृति प्रक्रिया को तेज करने के लिए नया कदम उठाया है। सचिव अजय कुमार के अनुसार, प्राधिकरण हर गुरुवार दोपहर 1 बजे से 5 बजे तक मानचित्र समाधान दिवस आयोजित करेगा, जिसमें भवन मानचित्रों से जुड़ी आपत्तियों का मौके पर निस्तारण किया जाएगा। दिसंबर 2025 में 4, 11 और 18 तारीख को तय सत्रों के दौरान प्रस्तुतकर्ता, संबंधित विभाग तथा अधिकृत मानचित्रकार-आर्किटेक्ट अनिवार्य रूप से उपस्थित रहेंगे। प्राधिकरण का दावा है कि इससे स्वीकृति प्रक्रिया सुगम होगी और लंबित मानचित्रों का समाधान उसी दिन किया जा सकेगा।

भाजपा किसान मोर्चा पदाधिकारी को तीन दिन खाद नहीं, सोसायटी गेट पर फांसी की कोशिश

- टोकन के बावजूद खाद गायब
- भाजपा के बड़े दावों को झटका
- प्रशासनिक दावों पर सवाल

मऊ/चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र में खाद वितरण की अव्यवस्था एक किसान की जान पर भारी पड़ गई। बरियारी कला निवासी नाथू, जो भाजपा किसान मोर्चा के पदाधिकारी भी बताए जा रहे हैं, बीते तीन दिनों से समिति केंद्र के चक्कर काट रहे थे। रोज टोकन मिल रहा था, लेकिन खाद का एक दाना नहीं। लगातार चक्कर, बार-बार की आश्वासनहीन चुनौती और खाली हाथ लौटने की बेबसी ने आखिर उन्हें इतना तोड़ दिया कि उन्होंने सोसायटी के गेट पर ही फांसी लगाने की कोशिश कर डाली। गेट के ऊपर चढ़कर गमछा बांधते देख आसपास मौजूद लोग सन्न रह गए और दौड़कर उन्हें नीचे उतारने में जुट गए। काफी मशक्कत के बाद उन्हें बचाया गया, लेकिन टूट चुके नाथू बार-बार यही कहते रहे- मुझे छोड़ दो, मैं परेशान हूं, तीन दिन से खाद नहीं मिल रही, खाली टोकन लेकर क्या करूं? थोड़ी देर बाद वे थककर जमीन पर गिर पड़े और बेहोश हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें मऊ सीएचसी पहुंचाया, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। सवाल बड़ा है कि जब प्रभारी मंत्री ने खुद दावा किया था कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं, हर किसान को समय पर खाद मिलेगी, तो फिर नाथू जैसे किसान को तीन दिनों तक क्यों भटकना पड़ा? क्या टोकन सिस्टम सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है या फिर सोसायटी स्तर पर कोई गहरी गड़बड़ी छिपाई जा रही है? किसान की इस दर्दनाक कोशिश ने जिले की खाद व्यवस्था की जमीनी सच्चाई को उजागर कर दिया है- दावों में बहुत खाद है, पर खेत और किसान दोनों खाली हाथ। वहीं भाजपा के आलाकमान को विकास के बडे बडे दावों से ही फुर्सत नही है।

ग्रामोदय के आशुतोष का राष्ट्रीय एकता शिविर में चयन, चित्रकूट का बढ़ा मान

चित्रकूट। महात्मा गांधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय के एनएसएस स्वयंसेवक आशुतोष चनपुरिया का चयन गुजरात के दभोई स्थित कॉमर्स कॉलेज में 1 से 7 दिसंबर तक आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर के लिए हुआ है। कृषि संकाय के एमएससी छात्र आशुतोष मध्य प्रदेश से चुने गए मात्र दस स्वयंसेवकों में शामिल हैं। देशभर से जुटे एनएसएस प्रतिनिधियों के बीच आशुतोष की सक्रिय सहभागिता से ग्रामोदय परिसर में उत्साह और गर्व की लहर है।

अवैध सूखे गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय पाँच तस्कर गिरफ्तार

बाँदा। थाना नरैनी पुलिस द्वारा अवैध सूखे गांजे के साथ अन्तर्राज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया गया है । गौरतलब हो कि थाना नरैनी पुलिस द्वारा देर रात्रि गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति नरैनी-कालिंजर रोड पेट्रोल पम्प के पास खड़े है । सूचना पर पुलिस द्वारा तत्काल मौके पर जाकर अभियुक्तों को पकड़कर पूछताछ करते हुए तलाशी ली गई तो अभियुक्तों के पास से अवैध तमंचा, जिन्दा कारतूस व चार पहिया वाहन की डिग्गी में अवैध सूखा गांजा बरामद हुआ । पुलिस द्वारा दीपक पुत्र रजनीश ग्राम उजरौधा थाना रैगाँव जनपद सतना शैलेन्द्र पुत्र सुरेंद्र निवासी पन्ना रोड उमरी कोतवाली नगर जनपद सतना बुद्धविलास पुत्र बोधन निवासी गडाँव थाना विसँडा महिपत पुत्र मूलचन्द निवासी बडेहा थाना कोतवाली देहात बाँदा अभिलाष पुत्र बीरेन्द्र निवासी ग्राम खरौली थाना कमासिन बाँदा को गिरफ्तार करते हुए थाना नरैनी में अभियोग पंजीकृत कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

महिला जिलाचिकित्सालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण मचा हड़कंप

बाँदा। प्रातः 09-00 बजे जिला चिकित्सालय (महिला), बाँदा का औचक निरीक्षण किया गया' , निरीक्षण में पी०एन०सी० वार्ड, एस०एन०सी०यू० वार्ड, लेबर रूम, ओ०पी०डी० का निरीक्षण कर महिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं देखी गयीं। पी०एन०सी० वार्ड में नवप्रसूताओं के केसशीट न मिलने एवं स्टाफ नर्स के अनुपस्थित मिलने पर स्टाफ नर्स का एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के समय अनुपस्थित पाए गए 06 डाक्टर, 02 लैब टेक्नीशियन, व 8 अन्य कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए गए। मेडिकल स्टाफ का ड्यूटी चार्ट तैयार करके डिस्प्ले बोर्ड पर प्रदर्शित करने, प्रसव उपरान्त नवप्रसूताओं को कम से कम 48 घण्टे मेडिकल देखरेख में अस्पताल में रखने के निर्देश जिलाधिकारी द्वारा दिए गए।

दिव्यांग बच्चों के बीच जिलाधिकारी का संवाद, निरीक्षण और अधूरी परियोजनाओं पर त्वरित आदेश

दिव्यांगजन दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, डे केयर में अधूरे निर्माण पर निर्देश

अखंड भारत संदेश

दिव्यांगजन दिवस पर दिव्यांगों के बीच मौजूद डीएम

चित्रकूट। अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर शिवरामपुर कर्वी स्थित बचपन डे केयर सेंटर में एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुई, जिसके बाद दृष्टि, श्रवण और बौद्धिक दिव्यांग बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित जनों का ध्यान खींचा। जिलाधिकारी ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए विभिन्न कक्षों- श्रवण दिव्यांग, बौद्धिक दिव्यांग, दृष्टि दिव्यांग- का निरीक्षण किया और अध्यापकों से सीखने-सिखाने की पद्धतियों की जानकारी ली। बच्चों के लिखने और कलर गतिविधियों को भी उन्होंने स्वयं देख कर परखा। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि दिव्यांग बच्चों की किसी भी आवश्यकता या सहयोग की जरूरत हो तो प्रशासन को अवगत कराया जाए। इसी क्रम में प्रियांशु को ब्रेल लिपि किट और अवनीश को एएमआर किट वितरित की गई। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी ने डे केयर सेंटर में निमार्णाधीन शौचालय तथा अधूरी बाउंड्री वॉल की समस्या रखी, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल दोनों कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश दिए। इसके बाद जिलाधिकारी ने पास स्थित राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय का निरीक्षण किया जहाँ डॉ राजेश कुमार मौजूद मिले। उन्होंने ओपीडी रजिस्टर, दवाओं के रखरखाव और परिसर की साफ-सफाई का जायजा लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि आवंटित आवासों की सूची, परिसर में पड़े निष्प्रयोज्य वाहनों का निस्तारण और सभी रिकॉर्ड नियमित रूप से अद्यतन रखे जाएँ। कार्यक्रम में जिला दिव्यांग अधिकारी प्रियंका यादव सहित सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

कस्तूरबा बालिका विद्यालयों में आधुनिक व्यवस्था, 200 छात्राओं को मिलेगा सीधा लाभ

चित्रकूट। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में पढ़ रहीं छात्राओं के लिए चित्रकूट से नई सूचना आई है। समग्र शिक्षा लखनऊ द्वारा भेजे गए पत्र (दिनांक 21 दिसंबर 2023) के आधार पर जिले के दो उच्चीकृत केजीबीवी- पहाड़ी और मऊ- को कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत छात्राओं के उपयोग हेतु नए शैक्षिक फर्नीचर और उपकरण उपलब्ध कराए गए हैं। जिलाधिकारी की अनुमति के बाद चयनित संस्था ने दोनों विद्यालयों में मेज 4, कुर्सियां 54, अलमारी 4, रूम कूलर 4, आरओ 2 तथा वाटर कूलर 2 की आपूर्ति पूरी कर दी है। लगभग 13.10 लाख रुपये की लागत से की गई यह व्यवस्था इन विद्यालयों के 200 छात्राओं को सीधे लाभ पहुंचाएगी। नई सामग्री के आने से छात्राओं के शैक्षिक वातावरण में सुधार होगा और विद्यालयीय कार्यप्रणाली अधिक सुगम व प्रभावी बन सकेगी।

शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में दिसंबर भर टीका महाअभियान, छूटे बच्चों की पूरी सूची तैयार

टीका महाअभियान की तैयारी में दिखे स्वास्थ्यकर्मी

चित्रकूट। माह दिसंबर 2025 में शुरू हुए महाटीकाकरण अभियान के तहत चित्रकूट जिला टीकाउत्सव के रंग में रंग गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ भूपेश द्विवेदी ने बताया कि 03 दिसंबर को बल्दाऊगंज वार्ड स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में आयोजित टीकाकरण सत्र में टीकाउत्सव का औपचारिक शुभारंभ वार्ड के जनप्रतिनिधि लवकुश यादव एवं जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से रिबन काटकर किया गया। अभियान का लक्ष्य शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में 0 से 5 वर्ष तक के उन सभी बच्चों का टीकाकरण सुनिश्चित करना है जो अब तक किसी भी कारण से छूट गए थे। क्षेत्रवार व ब्लॉकवार सूचियों के आधार पर पूरी कार्ययोजना तैयार कर ली गई है, ताकि दिसंबर के अंत तक खसरा-रूबेला टीकाकरण उपलब्धि 95 प्रतिशत तक पहुंच सके। सत्र के दौरान एएनएम, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकताओं सहित स्वास्थ्य विभाग के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। ड्यूलिस्ट के अनुसार 20 बच्चों को टीकाकरण के लिए चिन्हित किया गया था, जिनमें से 07 बच्चों को एएनएम श्रीमती जयकुमारी द्वारा टीका लगाया गया। कार्यक्रम में डॉ जीआर रतमेले, डॉ श्याम (एसएमओ-डब्लूएचओ), दिलीप द्विवेदी (यूनीसेफ), गरवि तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। सीएमओ ने जिलेवासियों से अपील की कि टीकाउत्सव के दौरान जन्म से पाँच वर्ष तक की सभी आवश्यक व बूस्टर खुराक समय पर दिलाकर बच्चों को घातक बीमारियों से बचाने में अपनी भागीदारी जरूर निभाएँ।

बलूचिस्तान में 24 घंटे से जंग जारी, BLF का पाक सेना पर बड़ा दावा, प्रमुख परिसर पर कब्जा

बलूचिस्तान

बलूचिस्तान पोस्ट (टीबीपी) की रिपोर्ट के अनुसार, चगाई जिले में स्थित नोककुंडी के एक महत्वपूर्ण परिसर में बलूचिस्तान लिबरेशन फ्रंट (बीएलएफ) के लड़ाकों और पाकिस्तानी सैन्य बलों के बीच संघर्ष चौबीस घंटे से अधिक समय से जारी है।

बीएलएफ प्रवक्ता मेजर ग्वाराम बलूच के अनुसार, समूह की सद्दो ऑपरेशनल बटालियन (एसओबी) के सदस्यों ने रविवार को रात 8:19 बजे (स्थानीय समय) हमला शुरू किया, जिसका लक्ष्य वह मुख्य परिसर था, जिसे उन्होंने सैंदाक और रेको दिक खनन परियोजनाओं में शामिल विदेशी इंजीनियरों और कर्मचारियों के आवासीय क्वार्टरों और कार्यालयों के लिए निर्धारित किया था। टीबीपी ने कहा कि बीएलएफ ने दावा किया कि उसके लड़ाके प्रारंभिक हमले के तुरंत बाद परिसर में सफलतापूर्वक घुसपैठ कर गए थे और नियंत्रण पाने के लिए पाकिस्तानी सेना के कई

प्रयासों के बावजूद "पिछले चौबीस घंटों से अपनी स्थिति में बने हुए हैं। बयान में संकेत दिया गया है कि पाकिस्तानी सेना की विशेष टुकड़ियाँ जमीनी रास्तों और हेलीकॉप्टरों के जरिए आगे बढ़ने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन बीएलएफ ने दावा किया कि इन कोशिशों को सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया। समूह ने आगे दावा किया कि पाकिस्तानी सेना प्रतिरोध का सामना करने के बाद पीछे हट गई और कहा कि अब तक श्मन के सभी उद्देश्यों को नाकाम कर दिया गया है।

पाकिस्तानी अधिकारियों ने इन दावों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बीएलएफ ने घोषणा की कि इस हमले का उद्देश्य पाकिस्तान, उसके विदेशी सहयोगियों और शोषक कंपनियों को यह स्पष्ट संदेश देना था कि बलूचिस्तान के प्राकृतिक संसाधन बलूच लोगों के हैं। इसने चेतावनी दी कि बलूचों के स्वामित्व और भूमि व संसाधनों पर उनके अधिकार को स्वीकार किए बिना, किसी भी बड़ी शक्ति या निगम को बलूच राष्ट्रीय संसाधनों के दोहन में पाकिस्तान के साथ सहयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जैसा कि टीबीपी रिपोर्ट में उद्धृत किया गया है।

इमरान की मौत की अफवाहों के बीच रावलपिंडी में धारा 144, पाकिस्तान सरकार की चिंता बढ़ी

पाकिस्तान

पाकिस्तान सरकार ने इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री के रिश्तेदारों और समर्थकों को उनसे मिलने की अनुमति देने की मांग को लेकर आयोजित बड़े विरोध प्रदर्शन के बीच रावलपिंडी में सभाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है और धारा 144 लागू कर दी है। यह बात इमरान खान की मौत की अफवाहों के बीच सामने आई है, जिससे देश में अशांति की आशंका बढ़ गई है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार चीमा के कार्यालय द्वारा हस्ताक्षरित एक आदेश में कहा गया है कि दंड प्रक्रिया संहिता (पंजाब संशोधन) अधिनियम, 2024 की धारा 144 1 से 3 दिसंबर तक तीन दिनों के लिए प्रभावी रहेगी।

यह कानून सभी प्रकार की सभाओं,

समारोहों, धरना-प्रदर्शनों, रैलियों, जुलूसों, प्रदर्शनों, जलसों, धरनों, विरोध प्रदर्शनों और पांच या अधिक लोगों के इसी प्रकार के जमावड़े जैसी गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाता है। हथियार, कीलें, लदे हुए डंडे, गुलेल (गोफन), बॉल बेयरिंग, पेट्रोल बम, तात्कालिक विस्फोटक या अन्य कोई भी उपकरण ले जाना, जिसका हिंसा के लिए संभावित रूप से उपयोग किया जा सकता हो, साथ ही हथियारों का प्रदर्शन (कानून प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा ले जाए जाने वाले हथियारों के अलावा) और आपत्तिजनक या घृणास्पद भाषण देना भी प्रतिबंधित है। सरकार ने शहर में दोपहिया वाहनों पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध लगा दिया है।

पुतिन से पहले दिल्ली पहुँचे दर्जनों रूसी कमांडो, संभाल ली सुरक्षा की कमान

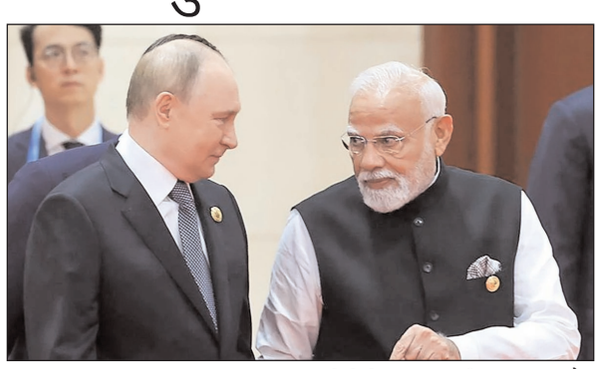

रूस

दिल्ली इस समय एक अत्यंत संवेदनशील और बहु-स्तरीय सुरक्षा ऑपरेशन का केंद्र बन चुकी है, क्योंकि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। पुतिन के आधिकारिक कार्यक्रमों को अत्यंत गोपनीय रखा गया है, किंतु माना जा रहा है कि 4झ5 दिसंबर को होने वाले शिखर-स्तरीय द्विपक्षीय कार्यक्रमों को ध्यान में रखते हुए रूसी सुरक्षा टीम पिछले कई दिनों से दिल्ली में मौजूद है। 50 से अधिक रूसी सुरक्षा अधिकारी पहले ही राजधानी पहुंच चुके हैं और उन्होंने मुख्य कार्यक्रम स्थलों से लेकर वैकल्पिक मार्गों तक का गहन सुरक्षा आकलन शुरू कर दिया है।

रिपोर्टों के अनुसार रूसी सुरक्षा दल सिर्फ बाहरी सतह पर नजर नहीं रख रहे, बल्कि संभावित होटल-स्थलों, एयरपोर्ट के लैंडिंग जोन, आपातकालीन निकासी मार्गों और शहर के संवेदनशील हिस्सों की माइक्रो-प्लानिंग भी कर रहे हैं। अक-आधारित निगरानी, ड्रोन-डिटेक्शन सिस्टम, स्नाइपर तैनाती और 247 कमांड-कंट्रोल रूम की तैयारी जोरों पर है। दिल्ली पुलिस, स्पेशल सेल, एसपीजी और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियाँ, रूस की ह्लइनर रिंगह्व सुरक्षा टीम के साथ मिलकर काम कर रही हैं। हम आपको बता दें कि बाहरी सुरक्षा और लॉजिस्टिक सपोर्ट भारत संभाल रहा है, जबकि अंतिम निर्णय और कोर प्रोटोकॉल का संचालन रूसी एजेंसियाँ अपने हाथ में रखे हुए हैं।

पुतिन के साथ आने वाला प्रतिनिधिमंडल भी बड़ा और उच्चस्तरीय माना जा रहा है, जिसमें रक्षा, विदेश नीति, ऊर्जा, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े शीर्ष अधिकारी शामिल होंगे। उनके लिए विशेष पाक-व्यवस्था, मेडिकल ट्रांसिट सुविधा और अलग-अलग सुरक्षा परतें भी तैयार की जा रही हैं। कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में राजधानी एक ऐसे ह्लसिक्योरिटी कवचह्व में ढँकने जा रही है, जैसा दुनिया के सिर्फ कुछ सबसे शक्तिशाली नेताओं के लिए ही देखा जाता है।

अमेरिका की घटती विश्वसनीयता, चीन की बढ़ती आक्रामकता और यूरोप की नई रणनीतिक उलझनों के बीच होने वाले मोदीझ्पुतिन शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। देखा जाये तो बीते तीन दशकों में भारत ने अमेरिका से रक्षा, तकनीक और रणनीति के मामलों में गहरे संबंध विकसित किए, जबकि रूस ने चीन के साथ अपनी साझेदारी बढ़ाई। किंतु 2025 आते-आते दुनिया ने महसूस किया कि पुरानी धारणाएँ अब वास्तविकता को नहीं समझा पातीं। अमेरिका के घरेलू तनाव, अनिर्णायक युद्धों और हाल के व्यापक टैरिफ युद्धों ने कई देशों को झटका दिया है– भारत के लिए 50% ड्यूटी वाला प्रसंग इसकी अहम मिसाल है। दूसरी ओर, चीन का विस्तारवादी रुख रूस के भीतर भी असहजता पैदा कर रहा है– चाहे वह सुदूर साइबेरिया की जनसंख्या-गतिशीलता हो या मध्य एशिया में बढ़ते प्रभाव की चिंता।

ऐसे समय में भारत और रूस, दोनों अपनी-अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति को मजबूत करते दिखाई देते हैं।

पाकिस्तानी जेल में इमरान खान से मिलने पहुंचीं बहन उज्मा

सेहत पर अटकलों के बीच क्या सामने आया सच?

पाकिस्तान

पाकिस्तान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की बहनों में से एक, डॉ. उजमा खानम को जेल में उनसे मिलने की अनुमति दे दी है। पाकिस्तान के शीर्ष सत्ता प्रतिष्ठान सूत्रों के अनुसार, उजमा खानम को इसलिए अनुमति दी जा रही है क्योंकि वह एक मेडिकल डॉक्टर हैं। यह इमरान खान की हिरासत में गोपनीयता को लेकर बढ़ती अंतरराष्ट्रीय जाँच और राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच हुआ है। सूत्रों ने कहा कि अधिकारी अब रावलपिंडी की अदियाला जेल में खान की नजरबंदी के संबंध में बढ़ती जाँच, मानवाधिकार संबंधी सवालों और महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय ध्यान को ध्यान में रख रहे हैं।

शीर्ष भारतीय खुफि या सूत्रों ने संकेत दिया है कि इस्लामाबाद, विशेष रूप से अपेक्षित संसदीय निर्णयों से पहले, एक चुनिंदा मानवीय पहल करने की कोशिश कर रहा है। खान और उनकी कानूनी टीमों की ओर से लगातार दबाव बना हुआ है, जो खान के कथित अलगाव, कठोर व्यवहार और प्रियजनों से नियमित रूप से मिलने से इनकार के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। खुफिया सूत्रों ने बताया कि सुरक्षा और

संवेदनशीलता के चलते उनकी बाकी बहनों को अभी भी बरी किए जाने की संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि अगर डॉ. उजमा खान को प्रवेश की अनुमति दी जाती है, तो मुलाकात संक्षिप्त, कड़ी निगरानी में और पूरी तरह से बिना फोन के होगी।

उन्होंने कहा कि अधिकारी पूर्व प्रधानमंत्री की शारीरिक और मानसिक स्थिति के बारे में तत्काल सार्वजनिक खुलासे को रोकने के लिए दृढ़ हैं। उन्होंने आगे कहा कि सुरक्षा एजेंसियों को चिंता है कि अगर सभी बहनों को उनसे मिलने की अनुमति दी गई, तो उनकी स्थिति के बारे में खुलासे से सड़कों पर जन प्रतिक्रिया भड़क सकती है। खुफिया रिपोर्टों से पता चलता है कि पाकिस्तान सरकार इमरान खान की जेल के अंदर कथित यातना और अलगाव को लेकर बढ़ते गुस्से के कारण डर के मारे काम कर रही है। अधिकारी विशेष रूप से चिंतित हैं कि यह सार्वजनिक असंतोष प्रमुख क्षेत्रों, विशेष रूप से पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राजनीतिक और साथ ही कानून-व्यवस्था की स्थिति में बदल सकता है।

भूकंप का तांडव!

तिब्बती

राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के एक बयान में कहा गया है कि मंगलवार को तिब्बत में 3.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 5 किमी की उथली गहराई पर आया, जिससे यह आफ्टरशॉक के लिए अतिसंवेदनशील है। ल्लइससे पहले सोमवार को, 50 किमी की गहराई पर 3.3 तीव्रता का एक और भूकंप आया था। उथले भूकंप आमतौर पर गहरे भूकंपों की तुलना में ज्यादा खतरनाक होते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि उथले भूकंपों से उत्पन्न भूकंपीय तरंगों की सतह तक पहुँचने की दूरी कम होती है।

रूस-अफगानिस्तान की 'नई दोस्ती', पुतिन के दौरे से पहले क्रेमलिन का बड़ा ऐलान

अफगानिस्तान

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि रूस अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय मुद्दे और संयुक्त हित मौजूदा चचाओं के केंद्र में हैं। पेसकोव ने कहा कि हम अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों को मजबूत कर रहे हैं। हम समझते हैं कि हम वहाँ अपने समकक्ष हैं, और हमें उनके साथ क्षेत्र की समस्याओं पर चर्चा करनी होगी। इस क्षेत्र में हमारे संयुक्त हित हैं, और हम अफगानिस्तान के साथ अपने संबंधों को विकसित करना जारी रखेंगे। उन्होंने संकेत दिया कि मास्को पड़ोसी क्षेत्रों में स्थिरता के लिए काबुल के साथ सहयोग को आवश्यक मानता है। उन्होंने रूसी व्यापार से जुड़े

वर्तमान आर्थिक समायोजनों पर भी टिप्पणी की, जिससे संकेत मिलता है कि बाहरी दबाव के तहत बाजार की प्रतिक्रियाएँ लगातार विकसित हो रही हैं। दूसरी बात, कुछ कंपनियाँ खरीदारी की गति धीमी कर रही हैं, जबकि अन्य खरीदारी का विस्तार कर रही हैं। यह प्रणाली बहुत लचीली है, और यह तीसरे देशों के अतिरिक्त दबाव का बहुत ही स्पष्ट और परिष्कृत तरीके से जवाब देती है। पेस्कोव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब दशकों के कूटनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक बदलावों के बाद रूस और अफगानिस्तान के बीच संबंध एक नए चरण में प्रवेश कर रहे हैं। ऐतिहासिक अभिलेखों के अनुसार, ये संबंध 19वीं सदी के "ग्रेट गेम" से जुड़े हैं, और तीसरे आंग्ल-अफगान युद्ध के तुरंत बाद 1921 में एक मैत्री संधि के साथ औपचारिक रूप ले लिया था। 1970 और 1980 के दशक के अंत में सोवियत-अफगान युद्ध के दौरान संबंध बिगड़ गए।

हमें पता है US ने भारत पर दबाव बनाया

अमेरिका

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को रूसी तेल खरीदने पर भारत पर अमेरिका द्वारा लगाए जा रहे उच्च टैरिफ पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि मॉस्को इस चुनौती को समझता है, लेकिन वाशिंगटन के साथ नई दिल्ली के द्विपक्षीय मुद्दों में हस्तक्षेप नहीं करेगा। पेसकोव ने कहा कि हम अमेरिका और भारत के बीच राजनयिक संबंधों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते। हम समझते हैं कि भारत पर दबाव है। उन्होंने कहा कि यह दबाव अब रूस के भारत के साथ साझेदारी के दृष्टिकोण को आकार देता है। मास्को के रुख को और स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा

यही कारण है कि हमें संबंधों की ऐसी संरचना बनाने में सावधानी बरतनी होगी जो किसी भी तीसरे देश के प्रभाव से मुक्त हो। भारत की स्वतंत्र विदेश नीति के निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए, पेस्कोव ने कहा हम जानते हैं कि भारत अपने राष्ट्रीय हितों को परिभाषित करने में बहुत संप्रभु है। हम भारत की इस विशेषता की प्रशंसा करते हैं। उन्होंने रूस के इस दृष्टिकोण को रेखांकित किया कि नई दिल्ली वैश्विक मामलों में रणनीतिक स्वायत्तता के साथ कार्य करती है। पेस्कोव की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब नई दिल्ली और मॉस्को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यात्रा की तैयारी कर रहे हैं, जहाँ व्यापार और रणनीतिक सहयोग प्रमुख विषय होने की उम्मीद है। क्रेमलिन ने कहा कि यह यात्रा दोनों पक्षों को राजनीतिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में रूसी-भारतीय संबंधों के व्यापक एजेंडे की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करेगी। संबंधों में यह नई गति ऐसे समय में आई है जब वाशिंगटन भारत पर रूसी कच्चे तेल के आयात को कम करने के लिए दबाव बना रहा है।

दुश्मनी से ज्यादा इंसानियत को महत्व देता है

श्रीलंका

श्रीलंका में आए भीषण चक्रवात डिटवा के बाद राहत और बचाव कार्यों में भारत लगातार अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इसी बीच पाकिस्तान के कुछ मीडिया संस्थानों ने यह दावा करना शुरू कर दिया कि भारत ने श्रीलंका के लिए जा रही पाकिस्तान की मानवीय सहायता उड़ान को अपने वायु क्षेत्र से गुजरने की अनुमति देने से इंकार कर दिया। लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि वास्तविकता इसके बिल्कुल उलट है क्योंकि भारत ने यह अनुमति न केवल दी, बल्कि बेहद कम समय में दी। हम आपको याद दिला दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद से भारत ने अपना हवाई क्षेत्र पाकिस्तान के लिए बंद कर रखा है।

जहां तक ताजा विवाद की बात है तो आपको बता दें कि भारत सरकार ने एक बयान में बताया है कि पाकिस्तान ने 1 दिसंबर को दोपहर लगभग 1 बजे (क्रळ) राहत सामग्री लेकर श्रीलंका जा रही उड़ान के लिए ओवरफ्लाइट की औपचारिक अनुमति मांगी थी। भारत ने मानवीय संकट की गंभीरता को देखते हुए केवल चार घंटे के भीतर अनुमति जारी कर दी और शाम 5:30 बजे पाकिस्तान को इसकी आधिकारिक सूचना भेज दी। भारत ने जोर दिया कि यह कदम शुद्ध रूप से मानवीय आधार परह्व उठाया गया, भले ही पाकिस्तान ने भारतीय विमानों के लिए अपना वायुझ्क्षेत्र अभी भी बंद रखा हुआ है।

सरकारी सूत्रों ने पाकिस्तानी मीडिया में चल रहे दावों को ह्लबेवजह का प्रोपेगैंडा और भ्रामक रिपोर्टिंगह्व बताते हुए कहा कि भारत के निर्णय स्थापित अंतरराष्ट्रीय मानकों, तकनीकी मूल्यांकन और सुरक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर लिए जाते हैं, न कि किसी प्रतिद्वंद्विता के आधार पर। देखा जाये तो भारत के त्वरित और पारदर्शी निर्णय के बावजूद, पाकिस्तानी मीडिया का झूठा दावा यह दशार्ता है कि क्षेत्रीय मानवीय सहयोग के मुद्दे को भी गलत सूचना फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

पीएम मोदी की वो बात, जिस पर फिदा हो गई खालिदा जिया की BNP

बांग्लादेश

भारत-बांग्लादेश संबंधों में आई ठंडक के बीच, शेख हसीना प्रकरण को पीछे छोड़ते हुए, हाल के हफ्तों में रिश्तों में गर्माहट के अलग संकेत देखने को मिले हैं। यह बर्फ. सबसे पहले बांग्लादेश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) की दिल्ली यात्रा से पिघली थी। अब, हसीना की प्रतिद्वंद्वी खालिदा ज़िया के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संदेश ने द्विपक्षीय संबंधों में यथास्थिति बहाल करने के भारत के प्रयास का संकेत दिया है। भारत के खिलाफ अपनी तीखी बयानबाजी में नरमी बरती है। पिछले हफ़्ते, बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार मोहम्मद तौहीद हुसैन ने जोर देकर कहा था कि ढाका और दिल्ली के बीच संबंधों में कुछ अनसुलझे मुद्दों, जिनमें हसीना से जुड़ा मामला भी शामिल है।

ढाका ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, हुसैन ने कहा कि हमारे हित बने रहेंगे और उन्हें सुरक्षित करने के हमारे प्रयास जारी रहेंगे... लेकिन मुझे नहीं लगता कि इसके कारण बाकी सब कुछ रुक जाएगा। भारत अच्छी तरह जानता है कि जब तक प्रत्यर्पण का मुद्दा सुलझ नहीं जाता, हसीना का मुद्दा द्विपक्षीय संबंधों में एक अड़चन बना रहेगा। पूर्व प्रधानमंत्री, जिन्होंने भारत के साथ मधुर संबंध बनाए रखे थे, को पिछले साल हुए दंगों के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए हाल ही में मौत की सजा सुनाई गई थी, जिसमें 500 से ज्यादा लोग मारे गए थे। अब, जब बांग्लादेश में चुनाव नजदीक हैं और उनकी पार्टी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है, प्रधानमंत्री मोदी के ज़िया के लिए संदेश ने कूटनीतिक चचाओं को हवा दे दी है।

अंग्रेजी और बंगाली दोनों भाषाओं में लिखे एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) प्रमुख के बिगड़ते स्वास्थ्य पर चिंता व्यक्त की और उनके स्वास्थ्य लाभ के लिए "हर संभव सहायता" की पेशकश की। बीएनपी, जिसके भारत के साथ संबंध तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों नेताओं की मुलाकात 2015 में हुई थी जब प्रधानमंत्री मोदी बांग्लादेश दौरे पर गए थे। उस समय जिया विपक्ष की नेता थीं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा